Student ADVISOR®
A different way of learning ...

हिन्दी

व्याकरण व पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

कक्षा

7

1 मेरी भावना

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** हमें जीवों के प्रति दया की भावना रखनी चाहिए।

(ख) 'मेरी भावना' कविता में कवि ने दुष्ट, निर्दयी व गलत रास्ते पर चलने वालों के प्रति साम्यभाव रखने की बात कही है।

(ग) देशोन्नति से कवि का आशय देश की उन्नति से है। कवि युगवीर बनकर देश की उन्नति और विकास में सम्मिलित होना चाहता है।

2. **सद्गुण—** उपकार, प्रेम।
दुर्गुण— अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, क्रूर, मोह।

3. **(अ) ईर्ष्या—**देख दूसरों की बढ़ती को, कभी न ईर्ष्या भाव धरूँ।

(ब) करुणा—दीन-दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणास्रोत बहे।

(स) लालच—अथवा कोई कैसा भय, या लालच देने आए।

(द) कृतघ्न—होऊँ नहीं कृतघ्न कभी मैं, द्रोह न मेरे उर आए।

4. इस कविता में कवि जुगल किशोर 'युगवीर' अपने अंदर सद्-व्यवहारों को बढ़ाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। अपने हृदय में घमंड, क्रोध और ईर्ष्या जैसे दुर्भावों को नहीं रखना चाहते हैं। वह दूसरों के प्रति सरल व्यवहार, उपकार और दीन-दुखियों के प्रति करुणा की भावना को अपने हृदय में रखना चाहते हैं। गुणीजनों का सम्मान करना और दूसरों के किए उपकार को सदैव याद रखना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो वह कभी भी न्याय के पथ से नहीं भटकें। वह ईश्वर से संसार में प्रेम की भावना को प्रसारित करने की प्रार्थना करते हैं। कविता के अंत में वह यह प्रार्थना करते हैं कि राष्ट्र में रहने वाले सभी लोग देश की उन्नति में लगे रहें और ईश्वर सबको कष्ट सहने की क्षमता प्रदान करें।

भाषा अध्ययन

1.

अशुद्ध शब्द	**शुद्ध शब्द**
इष्या	ईर्ष्या
स्त्रोत	स्रोत
दुजर्न	दुर्जन
परिणती	परिणति
द्रष्टी	दृष्टि

2.

शब्द अर्थ	**शब्द अर्थ**
भाव — मूल्य	भव — संसार
रात — रात्रि	रत — लगा हुआ
बैर — द्वेष	बेर — एक फल

गृह — निवास स्थान/घर
ग्रह — विशाल आकाशीय पिण्ड

3.

शब्द	विलोम शब्द
उपकार	अपकार
कुमार्ग	सुमार्ग
कृतघ्न	कृतज्ञ
जीवन	मृत्यु
अन्याय	न्याय
दु:ख	सुख

4. क्रूर, कुमार्ग — 'क'
गुण, ग्रहण — 'ग'
दीन, दुखी — 'द'
रत, रहा — 'र'

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (स), **3.** (अ), **4.** (ब), **5.** (द)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. दीन-दुखी, करुणास्रोत **2.** हृदय, प्रेम
3. लाखों, मृत्यु **4.** अहंकार, क्रोध
5. कटुक, मुख

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

2 दादी की घड़ी

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** दीपू को दीदी और भैया की तरह अनेक सुविधाएँ नहीं मिल पाती थीं। उसके पास कलाई घड़ी नहीं थी, न ही डेस्क थी और न अलमारी, न मेज। सुबह जल्दी उठने के लिए उसके पास अलार्म घड़ी भी नहीं होती थी।

(ख) दादी रात को सोते समय अपने सिरहाने रखे तकिए से उठने का समय कहकर ठीक समय पर प्रात: उठ जाती थी।

(ग) पिकनिक पर जाने वाले दिन दीपू अपने तकिए से उसे सुबह पाँच बजे जगा देने की बात कहकर सोया और अगले दिन ठीक समय पर अपने आप जाग गया।

(घ) दादी ने अनोखी घड़ी का राज यह बताया कि भला तकिया भी कहीं बोलता है। असली अलार्म तो हमारे दिल में होता है। जब हमें उठना जरूरी होता है, तो यह हमें जगा देता है।

2. **(ग)** तकिये से कहो, "तकियाराम सुबह चार बजे जगा देना।"

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं उच्चारण और लिखने का अभ्यास करें।

2. (क) बेगार ढोना।
(ख) गुजारा करना।
(ग) परलोक सिधारना।
(घ) दम साधना।

3.

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू
रौब, अन्याय, सुर, परीक्षा, दया, परलोक	चॉक, क्लास, मॉनीटर, अलार्म, डेस्क, इंस्पेक्टर, टर्मिनल	एवज़, मुसीबत, खबर, ख्याल, दखल, बाकायदा, लेम्प, ताज्जुब

4. (i) यूँ तो उसके दोस्त तो उससे ईर्ष्या करते थे कि पूरे घर में वह सबका लाडला है, पर उसे इस बात की जरा भी खुशी नहीं होती
(ii) मान लिया कि बड़ी-बड़ी क्लासों में पढ़ते हैं, पर इसका मतलब यह तो नहीं कि लोग निरे बुद्धू हैं।
(iii) दीपू चौथी कक्षा में पढ़ता है और तो और अपनी कक्षा का मॉनीटर भी है।
(iv) कोई उन्हें बैठने तक को नहीं कहता पर दीदी या भैया के पास कोई आता तो उसे बाकायदा नमस्ते करनी पड़ती।
(v) उसे तो खुद चाबी भरने की इच्छा थी, पर दीदी का चेहरा देखकर चुप कर गया।

5. (अ) सोते समय घड़ी टूटने पर सबके सब मुझे डाँटने लगे।
(ब) वह रात समझकर डर के मारे दम साधे चुपचाप पड़ा रहा।

6. (क) न जाने कब हमने मलाई खाई थी।
(ख) न जाने कब आसमान में गुब्बारे उड़े थे।
(ग) न जाने कब तकिया मुझे जगाएगा।
(घ) न जाने कब पापा-मम्मी मुझे समझ पाएँगे।

7. (क) दीपू अपनी कक्षा का मॉनीटर भी है।
(ख) घड़ी राजा भैया परलोक सिधार गई।
(ग) घर में एक ही टाइमपीस अलार्म था।
(घ) असली अलार्म तो हमारे दिल में होता है।

8. (क) (i) ईर्ष्या (ख) (iv) आधी जान
(ग) (iv) विदेशी (घ) (i) साँची।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स), **2.** (अ), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (ब) अनोखी घड़ी का राज पाकर

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. अलमारियों **2.** मम्मी, ट्रंक
3. एकाध, मन **4.** रसोई, चिड़चिड़ी
5. आँखें, अँधेरा।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

3 मेरी वसीयत

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** नेहरूजी ने अपने दोस्तों और साथियों के लिए कहा है कि बेशुमार दोस्तों और साथियों के मेरे (नेहरूजी के) ऊपर एहसान रहे हैं। वे बड़े-बड़े कामों में एक-दूसरे के साथ रहे, मिल-जुलकर काम किए तथा कामयाबी के सुख व नाकामयाबी के दु:ख दोनों में शामिल रहे।

(ख) गंगा नदी से नेहरूजी की अनेक भावनाएँ लिपटी हुई हैं। भारत की स्मृतियाँ, उसकी आशाएँ और उनके भय, विजयगान, उसकी विजय, पराजय। गंगा के प्राकृतिक सौन्दर्य, उसके पल-पल बदलते स्वरूप व पग-पग परिवर्तित होते मार्ग के मनोरम दृश्य हमेशा उनकी स्मृति पटल पर ताज़ा रहते हैं।

(ग) नेहरूजी ने विभिन्न समय और मौसम में गंगा का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करते हुए कहा है कि उन्होंने **सुबह** की रोशनी में गंगा को मुस्कराते, उछलते-कूदते देखा है और देखा है **शाम** के साये

में उदास काली-सी चादर ओढ़े हुए, भेद-भरी **सर्दी** में सिमटी-सी आहिस्ते-आहिस्ते बहती गंगा अत्यन्त सुन्दर दिखाई पड़ती है।

(घ) नेहरूजी ने अपनी वसीयत में मरने के बाद भस्म को मुट्ठीभर गंगा में डालने तथा शेष हिस्से को भारत के उन खेतों में बिखेर देने की इच्छा व्यक्त की है, जहाँ भारतीय किसान अपनी जी-तोड़ मेहनत से अन्न उपजाते हैं।

भाषा अध्ययन

1. छात्र शब्दों का शुद्ध उच्चारण करते हुए स्वयं लिखने का अभ्यास करें।

2. **उपसर्ग— 'ना':** समझ — ना — नासमझ
काबिल — ना — नाकाबिल
बालिग — ना — नाबालिग
मुमकिन — ना — नामुमकिन

उपसर्ग— 'वि': योग — वि — वियोग
जय — वि — विजय
राग — वि — विराग
ज्ञान — वि — विज्ञान

3. **अस्थियाँ :** अर्थ— हड्डियाँ।
वाक्य प्रयोग—इन्दिरा गांधी की अस्थियों को गंगा नदी में विसर्जित किया गया।
परम्परा : अर्थ— रीति-रिवाज।
वाक्य प्रयोग—बड़ों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति की प्रमुख परम्परा है।
विजयगान : अर्थ— जय-ज्ञान।
वाक्य प्रयोग—राणा प्रताप का विजयगान पूरे भारतवर्ष में होता है।
स्मृतियाँ : अर्थ— यादें।
वाक्य प्रयोग—वीर पुरुषों की स्मृतियाँ सदैव प्रेरणा देती हैं।
प्रेरणा : अर्थ— प्रोत्साहन।
वाक्य प्रयोग—हमें अपने महान पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए।
उत्तराधिकार : अर्थ— वसीयत द्वारा सम्पत्ति का अधिकार।
वाक्य प्रयोग—बच्चे अपने माँ-बाप की सम्पत्ति का उत्तराधिकार रखते हैं।

4. **(क)** नहीं, न, **(ख)** नहीं, न,
(ग) न, नहीं, **(घ)** न, नहीं।

5.

दिए गए वाक्य	परिवर्तित वाक्य
2. मुझे यह भी अच्छी तरह मालूम है कि मैं भी इस जंजीर की एक कड़ी हूँ।	1. मुझे यह भी अच्छी तरह मालूम है। 2. मैं भी इस जंजीर की एक कड़ी हूँ।
3. मैं यह दरख्वास्त करता हूँ कि मेरी भस्म की एक मुट्ठी इलाहाबाद के पास गंगा में डाल दी जाए।	1. मैं यह दरख्वास्त करता हूँ। 2. मेरी भस्म की एक मुट्ठी इलाहाबाद के पास गंगा में डाल दी जाए।
4. मैं चाहता हूँ कि भस्म को हवाई जहाज में ऊँचाई पर ले जाकर बिखेर दिया जाए।	1. मैं चाहता हूँ। 2. भस्म को हवाई जहाज में ऊँचाई पर ले जाकर बिखेर दिया जाए।

6. (क) (ii) गंगा। (ख) (iii) इक।
(ग) (ii) बे।

योग्यता विस्तार

नोटः- प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर छात्र स्वयं लिखें।

5. **गंगा** — सुरसरि, भागीरथी, जाह्नवी, त्रिपथगा, मन्दाकिनी।

6. **भगीरथ —** भगीरथ घोर तप से गंगा को पृथ्वी पर लाए।
भागीरथी — भगीरथ द्वारा गंगा लाने के कारण गंगा का एक नाम भागीरथी पड़ा।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब), **2.** (अ), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. दोस्तों, साथियों, **2.** मरने, धार्मिक,
3. गंगा, यमुना, **4.** गंगा, सभ्यता,
5. भारत, मेहनत।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

4 दो कविताएँ

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** 'मेघ बजने' से कवि का आशय बादलों का तीव्र ध्वनि में गरजने से है।
   (ख) बरसात में खेतों की मिट्टी कीचड़ का रूप धारण कर लेती है और तब वह हरिचन्दन के समान दिखाई देती है।
   (ग) वर्षा के आगमन से मेंढक टर्र-टर्र करने लगते हैं, पृथ्वी बारिश से धुल जाती है, मिट्टी-पानी के मिलने से बनी खेतों की गीली मिट्टी चन्दन जैसी लगती है, जिससे किसान अपने हलों के स्वागत में उस पर तिलक लगाते हैं।
   (घ) कदम्ब गेंद के समान झूलता दिखाई दे रहा है।
   (ङ) बारिश होने पर धूल व मिट्टी से अटी पड़ी पृथ्वी की सारी गन्दगी साफ हो जाती है और धरती का हृदय धुला हुआ लगने लगता है।
2. दादुर, हृदय, धिन-धिन-धा धमक-धमक।
3. **(क)** इस पंक्ति के माध्यम से कवि कहता है कि बारिश होने पर खेतों की मिट्टी गीली हो जाती है। किसान खेत जोतने के लिए तैयार हो जाते हैं और वे हल का स्वागत करते दिखाई देते हैं।
   (ख) इस पंक्ति में कवि का भाव है कि वर्षाऋतु में कदंब भी मदमस्त होकर फलने-फूलने लगते हैं। वृक्ष की शाखाओं के हिलने से ऐसा लगता है मानो कदंब का पेड़ गेंद के समान झूम रहा है।

भाषा अध्ययन

1. चन्दन – वन्दन, चमक – दमक,
   रीता – बीता, बरस – तरस।
2. धमक-धमक, टहनी-टहनी।
3. (क) धिन-धिन-धा धमक-धमक
   (ख) दामिनि यह गयी दमक
   (ग) टहनी-टहनी में कन्दुक सम झूले कदम्ब
   (घ) फूले कदम्ब, फूले कदम्ब।
4. **प्रयुक्त उपसर्ग—** अभि, अभि, वि, प्र, अभि, वि, प्र।
5. (क) (ii) अभिनन्दन।
   (ख) (ii) आई।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (द), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. दामिनि, **2.** कंठ,
3. कंदुक, **4.** तरस,
5. कदम्ब।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

5 मध्यप्रदेश का वैभव

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** नर्मदा नदी मध्यप्रदेश के एक बड़े भू-भाग से गुजरती है। यह नदी मध्यप्रदेश की धरती को अपने जीवनदायी जल से सींचती है। इस कारण इसको मध्यप्रदेश की जीवनरेखा कहा गया है।
   (ख) पचमढ़ी में कई दर्शनीय स्थल हैं जिनके नाम हैं—धूपगढ़, महादेव मन्दिर तथा यहाँ की पाँच गुफाएँ।
   (ग) सम्राट चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य अवन्तिका (उज्जैन) के राजा थे। वे अपनी न्यायप्रियता, बुद्धिमत्ता, विवेकपूर्ण निर्णय और प्रजापालन आदि के कारण इतिहास में अमर हैं। इन्हीं के द्वारा विक्रम संवत् को प्रारंभ किया गया।
   (घ) अवन्तिका का वर्तमान नाम उज्जैन है। यह इसलिए प्रसिद्ध है क्योंकि यहाँ प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल का मन्दिर है जो भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। श्रीकृष्ण की शिक्षा से जुड़ा पौराणिक महत्व का सांदीपनी आश्रम भी यहीं पर है। उज्जैन में प्रत्येक बारह वर्ष के बाद कुम्भ मेले का आयोजन होता है।
   (ङ) राई, सैरी, बधावा, ढिमयाई लोक नृत्य हैं तथा ढोलामारू, माच और स्वांग इत्यादि यहाँ के प्रमुख लोकनाट्य हैं।
   (च) बुन्देली, मालवी, भीली, बघेली, निमाड़ी आदि मध्यप्रदेश की प्रमुख बोलियाँ हैं।
   (छ) विभिन्न धर्मों, रीति-रिवाजों को मानने वाले लोग यहाँ निवास करते हैं। महाराष्ट्र का गणेश उत्सव, बंगाल की दुर्गा पूजा तथा उत्तर भारत की विजयादशमी और दीपावली के साथ-साथ होली, ईद, क्रिसमस जैसे त्योहार यहाँ

बड़ी धूमधाम से बनाये जाते हैं। अत: सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से सम्पन्न मध्यप्रदेश को लघु भारत कहा गया है।

2. (क) माँ शारदा
(ख) रामचन्द्रिका
(ग) चन्द्रशेखर आजाद
(घ) साँची (ङ) चचाई।

3. (क) (1) लोकमाता अहिल्याबाई का।
(ख) (3) भूषण।
(ग) (4) भोपाल में।
(घ) (2) पीताम्बरा पीठ के लिए।

4. (क) कामदगिरि — चित्रकूट
(ख) उदयगिरि — विदिशा
(ग) माण्डू — माँडवगढ़
(घ) हीरों की खान — पन्ना
(ङ) बौद्ध-स्तूप — साँची

भाषा अध्ययन

1.

(क) पानी	जल	इज्जत
(ख) अंक	गोद	संख्या
(ग) अमृत	गंगाजल	सुध
(घ) अम्बर	आकाश	वस्त्र
(ङ) कनक	सोना	धतूरा
(च) कर	हाथ	लगान

2. **तोरण-द्वार**—लंका में रावण द्वारा तोरण-द्वार बनाये गये थे।
पाषाण-कालीन—सुरंग की खुदाई से कई पाषाण कालीन तथ्य उजागर हुए हैं।
हृदय-स्थली—मध्यप्रदेश की भूमि भारत की हृदय-स्थली है।
जीवन-रेखा—नदियाँ भारत की जीवन-रेखा हैं।
भरत-मिलाप—कोरोना काल में गाँव आए लोगों ने ग्रामीणों से भरत-मिलाप किया।
प्रस्तर-प्रतिमा—पास के मन्दिर में गणेश की एक भव्य प्रस्तर-प्रतिमा स्थापित की गई है।

3. 'ता' प्रत्यय— लघु + ता = लघुता,
नीच + ता = नीचता,
हीन + ता = हीनता।
'तम' प्रत्यय— सरल + तम = सरलतम,
कठिन + तम = कठिनतम,
विशाल + तम = विशालतम।
'कार' प्रत्यय— उप + कार = उपकार,
सर + कार = सरकार,
नृत्य + कार = नृत्यकार।

4. (क) अहिल्याबाई मालवा की शान है।
(ख) मध्यप्रदेश भारत की हृदयस्थली है।
(ग) क्षिप्रा मध्यप्रदेश की पवित्र नदियों में से एक है।
(घ) खजुराहो के मन्दिर स्थापत्य कला के उदाहरण हैं।

5. (क) जुड़ा हुआ है।
(ख) जाना जाता है।
(ग) सँजोए हैं।
(घ) कहते रहते हैं।
(ङ) कहते प्रतीत होते हैं।

योग्यता विस्तार

1. **(क)** कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, माधव राष्ट्रीय उद्यान, जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान, भेड़ाघाट पर नर्मदा का जल प्रपात आदि।

(ख) भीमबेटका गुफाएँ, कंदराएँ, साँची के बौद्ध स्तूप, झाबुआ का भामरा ग्राम आदि।
(ग) पचमढ़ी की पाँच गुफाएँ, दतिया का पीताम्बरा पीठ, सतना जिले का माँ शारदा का मंदिर, उज्जैन का सांदीपनी आश्रम, वेतवा के तट पर बसा ओरछा आदि।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब), **2.** (अ), **3.** (स), **4.** (अ), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. नर्मदा, जीवन, **2.** तानसेन, ग्वालियर, **3.** आस्थाओं, विश्वासों, **4.** बिहारी, ओरछा **5.** मध्यप्रदेश, मिठास।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

6 राखी का मूल्य

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** कर्मवती मेवाड़ के महाराणा साँगा की विधवा धर्मपत्नी तथा वहाँ की महारानी थी।

(ख) कर्मवती ने वीरों से प्राण रहते मेवाड़ की पताका झुकने न देने की प्रतिज्ञा करने को कहा।

(ग) रानी कर्मवती ने हुमायूँ से बैरभाव समाप्त करने तथा उसे अपना भाई बनाने के लिए राखी भेजी।

(घ) राखी पाकर हुमायूँ ने अपनी सेना भेजकर मेवाड़ की रक्षा करने का निर्णय लिया।

(ङ) हमारे देश में राखी को भाई-बहन के मधुर बन्धन का प्रतीक माना जाता है। रक्षा सूत्र पहनकर बहन की जीवनभर रक्षा करने का संकल्प लेता है।

2. (क) रानी कर्मवती मेवाड़ के वीर सपूतों को मेवाड़ की रक्षा हेतु ललकारते हुए राखियाँ आगे बढ़ाते हुए कहती है कि राखी के धागों का मतलब सर्वस्व बलिदान करना होता है। वे ही लोग राखियों को लें जो देश-रक्षा के यज्ञ में स्वयं को समर्पित करने के लिए तैयार हों।

(ख) राखी का बहुत महत्व है। राखी लोगों के मन में बसे बैर-भाव रूपी जख्मों को मरहम के समान सहज भर देता है।

(ग) बहन-भाई का रिश्ता संसार में सभी चीजों से बढ़कर है। सारी संपदाएँ, धन-वैभव इसके सामने तुच्छ हैं। सबको सच्चे मन से इस रिश्ते का सम्मान करना चाहिए।

3. (क) (i) सांस्कृतिक एवं साम्प्रदायिक सदभावना का विकास करना।

(ख) (iii) मेवाड़।

भाषा अध्ययन

1. पितृ + त्व = पितृत्व
मातृ + त्व = मातृत्व
लघु + त्व = लघुत्व
गुरु + त्व = गुरुत्व
मनुष्य + त्व = मनुष्यत्व
प्रभु + त्व = प्रभुत्व।

2.

सामासिक पद	**विग्रह**
रणभूमि	रण की भूमि
राजपुत्र	राजा का पुत्र
देशभक्ति	देश की भक्ति
रसोईघर	रसोई का घर
देशनिकाला	देश से निकाला
सेनापति	सेना का पति

3. (क) खाना-पीना उठना-बैठना
(ख) बड़ी-बड़ी छोटी-छोटी
(ग) प्रेम-सागर जीवन-वर्षा
(घ) किसी-न-किसी छोटी-से-छोटी
(ङ) सावन-सी भोली-सी

4. (i) किन्तु और भी तो बाधाएँ हैं। (विशेषण)
(ii) मेवाड़ की रानी कर्मवती ने कुछ और सोचा। (क्रिया विशेषण)
(iii) हम हँसते-हँसते मरेंगे और बहुतों को मारकर मरेंगे। (उपवाक्य योजक)
(iv) भ्रातृत्व और मनुष्यत्व पर विश्वास करके हुमायूँ की परीक्षा ली जाए। (शब्द योजक)

5. (i) यही तो हमें बल देते आए हैं।
(ii) उसका मुकाबला तलवारों से तो नहीं हो सकता।
(iii) मेवाड़ की सीमा में तो पैर रखने का साहस ही कौन कर सकता था?
(iv) सोचो तो बहन, क्या उनके हृदय नहीं है?

6.

शब्द	**बहुवचन**	**शब्द**	**बहुवचन**
थाली	थालियाँ	जाली	जालियाँ
भाई	भाइयों	दुश्मन	दुश्मनों
गाड़ी	गाड़ियाँ	साड़ी	साड़ियों
धागा	धागे		

7. **हँसते-हँसते प्राण देना**— बलिदान हेतु तत्पर रहना।
वाक्य प्रयोग—आजादी की रक्षा के लिए वीर सैनिकों ने हँसते-हँसते अपने प्राण दे दिये।
आग उगलना— बुराई करना।
वाक्य प्रयोग—चीन अपने पड़ोसी मुल्कों के विरुद्ध आग उगलता रहता है।
प्राण काँपना— भयभीत हो जाना।
वाक्य प्रयोग—तूफान की तीव्रगति को देख नगरवासियों के प्राण काँप गये।
खौफ खाना— डरना।
वाक्य प्रयोग—सुभाषचन्द्र बोस के व्यक्तित्व से अंग्रेज भी खौफ खाते थे।
जादू का पिटारा— करामात की थैली।
वाक्य प्रयोग—अध्यापक के पास जादू का पिटारा तो नहीं है जो बच्चों को बिना पढ़ाए विद्वान बना दें।
आग में कूदना— कठिन रास्ता चुनना।
वाक्य प्रयोग—नैतिकता के विरुद्ध कार्य करना आग में कूदने के बराबर है।
घाव भरना— दु:ख कम होना
वाक्य प्रयोग—रानी लक्ष्मीबाई का दु:ख का घाव भरा भी नहीं था कि अंग्रेजों ने अधिकार करने का प्रयत्न कर लिया।
आँख उठाना— चुनौती देना।

वाक्य प्रयोग—शिवाजी के समक्ष मुगलों ने आँख उठाने का साहस नहीं किया।

कयामत का पैगाम— प्रलय की सूचना।

वाक्य प्रयोग—पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों की सहायता करना एक दिन उसी के लिए कयामत का पैगाम लेकर आएगा।

तिरछी नजर करना— नाराज होना।

वाक्य प्रयोग—मोहन द्वारा सच बोलने पर उसके मित्र ने अपनी नजर तिरछी कर ली।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (द), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. बादशाह हुमायूँ, **2.** भारत, मातृभूमि,
3. मेवाड़, जादू, **4.** खुदा, इंसान,
5. रिश्ते, सल्तनत।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

7 नीति के दोहे

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. (क) कवि के अनुसार, धूप, बारिश, बोलने और चुप रहने में अति वर्जित है।

(ख) कबीर के अनुसार निंदक को निकट रखने से व्यक्ति का स्वभाव स्वच्छ और कोमल बन जाता है।

(ग) 'एकै साधे सब सधै' से कवि का तात्पर्य है कि मूल को साधने पर सब अपने आप ही सध जाते हैं।

(घ) तुलसी ने 'काया' और 'मन' की तुलना खेत और किसान से की है।

(ङ) 'संत हंस गुन गहहिं पय' से कवि का आशय है कि संत उस हंस के समान है जो दूध (गुण) और पानी (अवगुण) को अलग कर देता है।

(च) कवि वृंद ने सज्जन पुरुष की यह विशेषता बताई है कि वह कभी भी विषम परिस्थिति में अपनी सज्जनता नहीं छोड़ता है।

(छ) कवि के अनुसार जब कलश का पानी गर्म हो, चिड़िया धूल में नहाए तथा चींटी अण्डा लेकर चले तब भरपूर वर्षा की सम्भावना होती है।

(ज) चने की अच्छी खेती ढेलेदार मिट्टी में होती है।

2. (क) (2) चन्दन, **(ख)** (4) हीरा,
(ग) (2) हंस, **(घ)** (4) निंदक,
(ङ) (1) चिड़िया,
(च) (4) मैदे के सामान बारीक मिट्टी में।

3. (क) भाव—कबीर दास जी कहते हैं कि मनुष्य को कोई भी काम करने से पहले अच्छी तरह से विचार कर लेना चाहिए। गलत काम करने के बाद पछताना मूर्खता है। कबीर दास कहते हैं यदि कोई व्यक्ति बबूल के पेड़ लगाता है तो उसे कड़वे फल ही मिलते हैं। बबूल का पेड़ लगाकर आम के फल की उम्मीद करना व्यर्थ है अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्म के अनुसार फल प्राप्त होता है।

(ख) भाव—कवि वृन्द कहते हैं कि जिस प्रकार कुएँ की जगत पर रस्सी के बार-बार रगड़ने से पत्थर पर निशान बन जाते हैं अर्थात् पत्थर घिसने लगता है, ठीक उसी प्रकार निरन्तर अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी ज्ञानी बन जाता है।

4. (क) बड़े बड़ाई ना करें, बड़े न बोलें बोल।
(ख) अति का भला न बोलना,
अति की भली न चूप।

भाषा अध्ययन

1.

शब्द	तत्सम शब्द	शब्द	तत्सम शब्द
पछताय	पछतावा	सुभाय	स्वभाव
चूप	चुप	काज	कार्य
पोहिये	पिरोना	मोल	मूल्य
आस	आशा	नास	नाश
पौन	पवन	रसरी	रस्सी
निसान	निशान	सजनता	सज्जनता
बरसा	वर्षा	घर	गृह
खेत	क्षेत्र		

2.

शब्द	पर्यायवाची शब्द
पेड़	वृक्ष, विटप
पवन	हवा, वायु
पानी	नीर, जल

सरोवर	तालाब, सर
फूल	पुष्प, सुमन
नदी	तरंगिणी, सरिता
पक्षी	विहग, खग

3. **शब्द** **अर्थ**
1. कुटी — झोंपड़ी
2. हित — भलाई
3. सकल — समस्त
4. सुरभित — सुगन्धित
5. उद्यम — परिश्रम

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब), **2.** (अ), **3.** (स), **4.** (द), **5.** (अ) तथा (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. तरुवर, सरवर, **2.** काया, किसान, **3.** उद्यम, पावै, **4.** अभ्यास, जड़मति, **5.** पानी, चिड़िया।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** असत्य।

विविध प्रश्नावली-1

1. **(क) संदर्भ-प्रसंग**—नेहरू जी आजादी के दिनों में अपने सहयोगियों के साथ किए गए कार्यों का स्मरण करते हुए लिखते हैं कि जब बड़े उद्देश्यों को पूर्ण करने की कोशिश की जाती है तो उनमें सफलता अवश्य प्राप्त होती है। परन्तु कभी-कभी नाकामयाबी भी होती है। निराशा की इन घड़ियों में तथा सफलता की स्थिति में खुशी के पलों में हमें हमेशा साथ रहना चाहिए।

(ख) संदर्भ-प्रसंग—हुमायूँ अपने सेनापति से कहता है कि हिन्दुओं और मुसलमानों में कोई अन्तर नहीं है। हम सभी उस एक मालिक की सन्तान हैं जिसने उन्हें बनाया है। मैं आज इस पूरे संसार को यह दिखाना चाहता हूँ कि हिन्दुओं के सभी रीति-रिवाज और परम्पराएँ एक मुसलमान के लिए भी समान रूप से प्रिय और पवित्र हैं। हम सबको एक-दूसरे के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए।

(ग) संदर्भ-प्रसंग—विभिन्न धर्मों, रीति-रिवाजों व मान्यताओं के लोग मध्यप्रदेश में आपस में भाईचारे और सद्भाव से निवास करते हैं। यहाँ भारत के सभी प्रदेशों के तीज-त्योहार मनाये जाते हैं। इस प्रकार, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से समृद्ध मध्यप्रदेश को लघुभारत का नाम देना उचित ही है। इस प्रदेश के निवासियों के मन में मध्यप्रदेश के गौरवशाली अतीत की मिठास आज भी विद्यमान है।

2. **(क) भावार्थ**—कबीर दास जी कहते हैं मनुष्य को सदैव अपनी निन्दा करने वाले के साथ संगति करनी चाहिए और उसे अपने पास रखना चाहिए। वास्तव में निन्दा करने वाला व्यक्ति बिना पानी और साबुन के तुम्हारे व्यवहार से दोषों को दूर करके स्वभाव को स्वच्छ और कोमल बना सकता है।

(ख) भावार्थ—वृन्द कहते हैं कि जिस प्रकार गर्मी के समय बिना पंखा घुमाये (परिश्रम किए) उसकी हवा का आनन्द नहीं लिया जा सकता, ठीक उसी प्रकार विद्या रूपी धन को बिना परिश्रम के प्राप्त नहीं किया जा सकता है। कवि वृन्द के कहने का तात्पर्य है कि बिना परिश्रम के कुछ भी पाना संभव नहीं है।

3. **(क)** दीपू घर में सबसे छोटा था इसलिए उसका घर में रौब नहीं था।

(ख) नेहरूजी ने उन पुरानी परम्पराओं की रूढ़िवादी जंजीरों को तोड़ने कहा है जो हिन्दुस्तान को आगे बढ़ाने में रुकावट पैदा करती हैं, देशवासियों में फूट डालती हैं, बेशुमार लोगों को दबाये रखती हैं और जो शरीर और आत्मा के विकास के मार्ग में बाधा उत्पन्न करती हैं।

(ग) वराहमिहिर, वाणभट्ट, कालिदास।

(घ) विक्रमादित्य के चार गुण हैं—न्यायप्रियता बुद्धिमत्ता, विवेकपूर्ण निर्णय और प्रजापालन जिसके लिए वे इतिहास में अमर रहेंगे।

(ङ) भोपाल के दर्शनीय स्थल—बिड़ला मन्दिर, ताज-उल-मस्जिद, वन-विहार, भारत-भवन, मानव संग्रहालय आदि हैं।

(च) रानी कर्मवती ने जवाहर बाई से।

4. **(क)** दादी **(ख)** मध्यप्रदेश
(ग) माधव **(घ)** नर्मदा
(ङ) पन्ना

5. **(क)** (2) खेतों में।
(ख) (2) चौथी।
(ग) (2) ग्वालियर।
(घ) (2) मेवाड़।

6. **(क)** हमारे मन में दीन-दुखियों के प्रति दया की भावना होनी चाहिए।

(ख) भरहुत अपनी प्राचीनतम स्थापत्य कला और साँची बौद्ध स्तूपों के लिए प्रसिद्ध है।

(ग) मध्यप्रदेश की तीन बोलियाँ हैं— बुन्देली, मालवी तथा निमाड़ी।

(घ) कर्मवती ने राखी को वरदान की संज्ञा इसलिए दी है क्योंकि राखी सारे बैर-भावों को मिटा देने का काम करती है। इसे बँधवाकर प्रत्येक भाई अपनी बहन की रक्षा हेतु वचनबद्ध हो जाता है।

7. (क) – कर्मवती, (ख) – बाघसिंह, (ग) – हुमायूँ, (घ) – सेनापति।

8. **वैमनस्य**—लोगों को वैमनस्य भाव त्याग देना चाहिए।

तोपखाना—भारतीय सेना में कई समृद्ध तोपखाने हैं।

पश्चाताप—रामू ने अपनी गलती पर बहुत पश्चाताप किया।

वरदान—शिक्षा ग्रहण करना वरदान के समान है।

आज्ञापालन—सबको अपने पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

पिटारा—कश्मीर की सुषमा देखकर लगता है कि जादूगर ने यहाँ जादू का पिटारा खोल दिया है।

9.

अशुद्ध शब्द	**शुद्ध शब्द**
सस्कृति	संस्कृति
प्रतिविम्व	प्रतिबिम्ब
परयटक	पर्यटक
वेभव	वैभव
स्रजन	सृजन
हसना	हँसना
प्रान	प्राण

10. (क) मामाजी वाराणसी नहीं पहुँचे।
(ख) क्या राम ने गंगा में डुबकी लगाई?
(ग) लड़का कपड़े लेकर भाग गया।
(घ) अरे! आपने यह क्या कर डाला।

11.

एकवचन	**बहुवचन**
राखी	राखियाँ
धागा	धागे
भाई	भाइयों
पताका	पताकाओं
सपूत	सपूतों
शत्रु	शत्रुओं
लड़की	लड़कियों

12. तत्पुरुष समास—सेनापति, वीरव्रत, रसोईघर।

13.

हिन्दी	**अंग्रेजी**	**उर्दू**
बस्ता, कक्षा, बाहर, पक्ष, कीर्तन, कार्तिक	रेडियो, टॉफी, ट्रिप	दोस्त, तरकीब, बेवकूफ, मजबूत

14. मैं मुन्ना, आपने पहचाना नहीं मुझे? हाँ, मुन्ना। भूल गये आप मामाजी! खैर, कोई बात नहीं। इतने साल भी तो हो गये। तुम यहाँ कैसे?

15.
प्र + योग = प्रयोग
वि + योग = वियोग
अभि + योग = अभियोग
उप + योग = उपयोग
सह + योग = सहयोग
सु + योग = सुयोग

16. **उर्दू शब्द** — **हिन्दी शब्द**
खिदमत – आवभगत
सौगात – उपहार
पैगाम – सन्देश
मुताबिक – अनुसार
हिफाजत – सुरक्षा
कुर्बानी – बलिदान
खौफ – डर

17. इस पाठ में लेखिका 'मालती जोशी' ने बाल मनोविज्ञान और बालकों के नैतिक विकास को बहुत ही बारीकी से अंकित किया है। दीपू घर में सबसे छोटा था और इसी कारण वह हर बार मुसीबत में पड़ जाता था। उसे बड़ों से या तो डाँट पड़ती रहती या उसे बड़ों का हर काम करना पड़ता था। उसे अपने साथ होने वाला व्यवहार अन्याय जान पड़ता था। वह यह सोचा करता था कि काश, वह भी इन लोगों की तरह बड़ा होता तो कितना अच्छा होता। वह जब भी पढ़ने बैठता था सब शोर करते रहते थे और जब उसके बड़े भाई-बहन पढ़ते तो उसे शांत रहने के लिए कहा जाता था। एक बार वह अलार्म घड़ी अपने सिरहाने लगाकर सोया, लेकिन उसकी ही लात लगने के कारण वह टूट गई। इस वजह से उसे बहुत डाँट पड़ी। पूरे घर में केवल उसकी दादी ही थी जो उसे प्यार से समझाती थी। दादी ने उसे तकिए को अपना अलार्म बनाने की सलाह दी। दादी की बात मानकर उसे आजमाया। अंततः वह एक दिन समय पर जाग गया। उसने जाकर दादी को यह बात बताई तब दादी ने उसे सच

बताया कि अलार्म घड़ी की आवाज को तो हम चाहें तो बन्द भी कर सकते हैं, किन्तु दिल की आवाज को बन्द नहीं किया जा सकता है। यह तो हमें उठाकर ही शान्त होती है। दिलरूपी घड़ी का रहस्य जानकर दीपू प्रसन्न हुआ।

8 डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन के प्रेरक प्रसंग

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** अब्दुल कलाम का पूरा नाम है अबुल फकीर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम।

(ख) कलाम ने अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का कार्य किया। मद्रास (चेन्नई) से छपने वाले हिन्दू समाचार-पत्र के लिए लेख लिखे। इस तरह उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए निरन्तर संघर्ष किया।

(ग) अब्दुल कलाम ने रामलीला में 'राम-रावण' का युद्ध देखा। इसमें राम अग्निबाण छोड़कर रावण का अन्त कर देते हैं। इस दृश्य से प्रभावित होकर उन्होंने अग्निबाण से सीख लेकर ही अग्नि मिसाइल का सूत्रपात किया।

(घ) डॉ. अब्दुल कलाम बच्चों के साथ बात करने में आनन्द का अनुभव करते थे। उनका मानना था कि बच्चों में ही सम्पूर्ण राष्ट्र का विकास छिपा होता है। बच्चों से वे मित्रवत् बातें करते थे। बच्चे भी उनसे बात करके अपने को गौरवशाली मानते थे।

(ङ) एक बार अब्दुल कलाम ने 'हिन्दू' अंग्रेजी समाचार-पत्र में एक लेख पढ़ा जिसका शीर्षक था—"सॉफ्ट फायर"। इसका हिन्दी में अर्थ है- मन्त्रबाण। यह एक प्राचीन भारतीय अस्त्र का नाम है जिसका प्रयोग द्वितीय विश्व युद्ध में हुआ था। इस मन्त्रबाण ने उन्हें आगे चलकर 'अग्नि' मिसाइल बनाने के लिए प्रेरित किया, इसीलिए उन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है।

2. डॉ. कलाम के प्रेरक विचार-बिन्दु निम्नवत् हैं—

(i) मुझे भारतीय होने का गर्व है- यह एक महान देश है।

(ii) विज्ञान वैदिक साहित्य की तरह है-सरस और संवेदनशील।

(iii) जो लोग अपने व्यवसाय में शीर्ष पर पहुँचना चाहते हैं- उनके भीतर पूर्ण वचनबद्धता का मूल गुण होना अत्यन्त आवश्यक है।

(iv) हमारे युवकों को सपने देखने चाहिए। सपनों को विचारों में बदलना चाहिए। विचारों को क्रिया के जरिये वास्तविकता में बदलना चाहिए।

(v) वह काम करो, जिसमें तुम्हारी आस्था हो। यदि ऐसा नहीं करते हो तो तुम अपनी किस्मत दूसरों के हवाले कर रहे हो।

भाषा अध्ययन

1.

मूल शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द		उपसर्ग
परि	+	श्रम	परि	+	हास
परि	+	चर्चा	परि	+	भ्रमण
परि	+	धान	परि	+	जन
परि	+	पूर्ण			

2.

मूल शब्द		प्रत्यय	मूल शब्द		प्रत्यय
समाज	+	इक	विज्ञान	+	इक
विमान	+	इक	यन्त्र	+	इक
वेद	+	इक	परिश्रम	+	इक
अर्थ	+	इक			

3.

मूल शब्द		प्रत्यय		नया शब्द
सम्बन्ध	+	इत	=	सम्बन्धित
कल्प	+	इत	=	कल्पित
प्रतिष्ठा	+	इत	=	प्रतिष्ठित
सम्भावना	+	इत	=	सम्भावित
राजपत्र	+	इत	=	राजपत्रित

4.

तत्पुरुष	द्वन्द्व	कर्मधारय
अग्निबाण	गुरु-शिष्य	शान्तचित्त
मन्त्रबाण	माता-पिता	नीलगाय
पुण्यभूमि	सीता-राम	
रामलीला		
रुद्रवीणा		

5. (1) को, से (2) के लिए (3) ने, में (4) का, से (5) के (6) हे (7) की (8) को, से।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब), **2.** (अ), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (द)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. समय , **2.** अग्निबाण, अग्नि, **3.** विश्व, मिसाइल, **4.** दो, **5.** रुद्रवीणा।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

9 गौरैया

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** गौरैया की आँखों की तुलना नीलम और परों की तुलना सोने से की गई है।
   (ख) तिनकों को चुन-चुनकर गौरैया अपना घोंसला बनाती है।
   (ग) वह हरे-भरे पौधों और हरी-भरी घास के तिनके इकट्ठे करके अपना घोंसला बनाती है इसलिए उसे हरियाली की रानी कहा गया है।
   (घ) गौरैया कवि के मिट्टी वाले आँगन में फुर्र-फुर्र उड़ती है, फुदकती है। उसका प्रत्येक अंग बिजली की भाँति चमकीला लगता है इसलिए वह इसे अपनी बहन बनाना चाहता है।
2. ● मटमैले आँगन में।
3. ● एक गौरैया ने एक-एक तिनका चुन-चुनकर कड़ी मेहनत करके अपना घोंसला बनाया।
   ● गौरैया, तेरा प्रत्येक अंग उत्साह से भरा हुआ है और तू उछल-उछल कर पानी पीती फिरती है।
   ● हवा के द्वारा ऊपर उठी छोटी-छोटी लहरों पर सरसराती हुई गौरैया गतिशील बनी हुई है।

भाषा अध्ययन

1. सर-सर, मर-मर, कर-कर, तिनके-तिनके, चुन-चुन, अंग-अंग, फर-फर, चिऊँ-चिऊँ, फुला-फुला, हिला-हिला।
2.

विशेषण	**विशेष्य (शब्द)**
मधुर	बलैया
मटमैला	आँगन
सुन्दर	पर
वायवी	लहरें
निर्दय	हलकोरों

3. 1. नीलम-सी नीली आँखें।
   2. सोने-सा सुनहरा रंग।
   3. सोने-से सुन्दर पर।
   4. चन्द्रमा-सा सुन्दर मुख।
   5. कमलकली-सी सुन्दर आँखें।
   6. चाँदी-से सफेद बाल।
4.

शब्द	—	**पर्यायवाची शब्द**
बिजली	—	विद्युत, तड़ित
आँख	—	नयन, नेत्र।
वायु	—	हवा, समीर
सोना	—	स्वर्ण, कनक।

5.

शब्द	**विलोम शब्द**
मधुर	कटु
सुन्दर	कुरूप
चंचल	स्थिर
सूक्ष्म	विशाल

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (द), **5.** (द)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. मटमैले, फुदक, **2.** नीलम, सोने
3. बहन, भैया, **4.** गरदन,
5. हलकोरों, नैया।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

10 सुभाषचन्द्र बोस का पत्र

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** बहरामपुर जेल (बंगाल) से माण्डले सेन्ट्रल जेल के लिए स्थानान्तरण का आदेश मिला।
   (ख) वह एक ऐसी जेल थी जहाँ भारत के एक महानतम् सपूत लोकमान्य तिलक को लगातार छ: वर्ष तक रखा गया था। इसलिए सुभाषचन्द्र बोस ने माण्डले जेल को तीर्थस्थल कहा है।
   (ग) माण्डले जेल में लोकमान्य तिलक को शारीरिक और मानसिक यन्त्रणाएँ दी जाती थीं। उन्हें वहाँ कोई भी बौद्धिक स्तर का साथी नहीं मिला। किसी अन्य बन्दी से उन्हें मिलने-जुलने नहीं दिया जाता था। पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में ही उन्हें छ: वर्षों में दो या तीन भेंट से अधिक का मौका नहीं दिया गया था।
   (घ) सुभाषचन्द्र बोस के अनुसार अपने आपको बन्दी जीवन के अनुकूल बनाने के लिए हमें अपनी पिछली आदतों का खुद ही त्याग करना पड़ता है। स्वयं को पूर्ण स्वस्थ और फुर्तीला बनाना पड़ता है। हर नियम सिर झुकाकर मानना पड़ता है। मन को प्रसन्न बनाकर रखना होता है। मानसिक सन्तुलन बनाकर रखना पड़ता है।
   (ङ) लोकमान्य तिलक ने प्रतिकूल और दुर्बल

बना देने वाले वातावरण में भी 'गीता-भाष्य' जैसे महान ग्रन्थ की रचना की। उनमें प्रबल इच्छाशक्ति, साधना की गहराई और सहनशीलता थी। उनमें बौद्धिक क्षमता एवं संघर्ष करने की शक्ति थी। इसलिए सुभाषचन्द्र बोस ने सिफारिश की है कि लोकमान्य तिलक को विश्व के महापुरुषों की प्रथम पंक्ति में स्थान मिलना चाहिए।

2. (क) गीता भाष्य (ख) किताबें पढ़कर (ग) तीर्थ स्थल

भाषा अध्ययन

1. **अदम्य**—लोकमान्य तिलक में अदम्य साहस था।

प्रणयन—लोकमान्य तिलक ने माण्डले सेन्ट्रल जेल में गीता भाष्य का प्रणयन किया।

कृतित्व—प्राचीन मनीषियों का कृतित्व सदैव स्मरण किया जाएगा।

सुदीर्घ—स्वतन्त्रता की लड़ाई सुदीर्घ काल तक चली।

यन्त्रणा—तिलक जी को बन्दीगृह में बड़ी यन्त्रणा दी गई।

2. **'दुर' उपसर्ग जोड़कर**—दुर्भाग्य, दुर्गम, दुर्गति, दुर्जन, दुर्गुण।

'तम' उपसर्ग जोड़कर— महानतम, अधिकतम, सरलतम, कठिनतम।

3. शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, राजनैतिक, दार्शनिक।

4.

उपसर्ग	मूल शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
स	पूत	परि	वेश
स	शरीर	आ	देश
अन्	उपस्थित	स्व	देश
प्र	काण्ड	सु	प्रसिद्ध

5. कर्म का योगी, चहार से दीवार, गीता का भाष्य, शीत की ऋतु, धूल से भरी, देश के वासी, तीर्थ का स्थल, मन्द है जो गति, युग का निर्माण, दश हैं आनन जिसके, दिन और रात।

- सेवा में
श्रीमान् प्रधानाध्यापक महोदय,
टैगोर पब्लिक स्कूल
जबलपुर
विषय—शुल्क-मुक्ति हेतु।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा 7 'ब' का एक गरीब विद्यार्थी हूँ। मेरे पिताजी एक अल्प वेतनभोगी कर्मचारी हैं। अत: आर्थिक दृष्टि से मैं इस योग्य नहीं हूँ कि विद्यालय का मासिक शुल्क दे सकूँ।
अस्तु, आपसे प्रार्थना है कि मुझे नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने की कृपा करें। मैं आपकी इस कृपा के लिए आपका चिर-ऋणी रहूँगा।

कृपाकांक्षी
राजीव सैनी
कक्षा 7 'ब'

दिनांक: 25 जुलाई, 20......

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (ब), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. विश्व, कृति। **2.** ठुकरानी, मानसिक।
3. सांत्वना, किताबें। **4.** वार्ड, लकड़ी।
5. शरीरान्त, केन्द्रीय।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

11 वात्सल्य के पद

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** कृष्ण, माँ यशोदा से बलराम की शिकायत कर रहे हैं।

(ख) बलराम कृष्ण को मूल्य देकर खरीदा हुआ बताते हैं। वे कहते हैं कि यशोदा ने कृष्ण को जन्म नहीं दिया है। इसके अलावा वे पूछते हैं कि उसके माता-पिता कौन हैं? नन्द और यशोदा दोनों ही गोरे रंग के हैं, उसका शरीर साँवला क्यों है? इस तरह की बातें करके बलराम, कृष्ण को चिढ़ाते हैं।

(ग) बालक कृष्ण के मुख से क्रोध भरी बातें सुनकर यशोदा कृष्ण पर रीझ रही हैं।

(घ) यशोदा ने गोधन की कसम खाकर कहा कि वह ही उसकी माता हैं और कृष्ण उनका पुत्र है।

(ङ) कृष्ण को पकवान और मेवाओं के प्रति

अरुचि है।

(च) ब्रज-युवती के मन में इच्छा है कि कृष्ण उसके घर में चोरी-चोरी मक्खन खाने आएँ और जब कृष्ण मक्खन की मटकी से मक्खन खाते हुए बैठे हों, तब वह ब्रज-युवती उन्हें छिपकर देखे।

(छ) गोपी प्रातः नन्द बाबा के भवन गई थी।

(ज) यशोदा कृष्ण के शरीर पर तेल और आँखों में काजल लगा रही हैं। उनके माथे पर काला टीका लगा रही हैं।

2. **(क)** (4) बलराम।
(ख) (3) मक्खन
(ग) (2) कृष्ण।

3. (क) खेलन (ख) बलवीर
(ग) श्याम (घ) ग्वालिनि
(ङ) भौंह

4. पंक्ति अर्थ
1. → (4) 2. → (5)
3. → (1) 4. → (2)
5. → (3)

भाषा अध्ययन

1. तारी-ताली माखन-मक्खन
ठाढ़ी-खड़ी भौन-भवन
जुग-युग जुवती-युवती
पूत-पुत्र करोर-करोड़।

2. अनुप्रास अलंकार के उदाहरण निम्नलिखित हैं— कहा कहाँ, कहत कौन, मोही को मारन, मोहन मुख, जसुमति सुन सुन, माता तू पूत, लगाई-लगाई, बनाई-बनाई, निहारत, बारत, चुचकारत।

3. (क) पुनि-पुनि
(ख) दै-दै
(ग) सुन-सुन
(घ) मन-मन

4.

शब्द	**समानार्थी शब्द**
भैया	भाई
शरीर	तन (देह)
मुख	मुँह
पूत	पुत्र
भोर	सवेरा

- अब बताइए

(1) कृष्ण अपनी माता यशोदा से कह रहे हैं।
(2) इसमें माता और पुत्र के बीच वात्सल्य भाव प्रतीत या जाग्रत हो रहा है।

5. वात्सल्य का उदाहरण— जी करता है तुझे चूम लूँ, ले लूँ मधुर बलैयाँ।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब), **2.** (ब), **3.** (अ), **4.** (स), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. यशोदा, श्याम। **2.** बलभद्र, जनमत।
3. पकवान, रुचि। **4.** अन्तरयामी, ग्वालिनि।
5. जुग, करोर।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

12 नींव का पत्थर

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** जूही की हँसी से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें कठिन परिस्थितियों में भी हँसना और खुश रहना चाहिए।

(ख) वीरता उस समय कलंकित होती है जब हम अपने कर्त्तव्य के पालन में पीछे रहते हैं। कर्त्तव्यपालन से मिलने वाली सफलता वीरता को सुशोभित करती है। इसलिए व्यक्ति को मातृभूमि की रक्षा के काम में अडिग बना रहना चाहिए। मातृभूमि की सेवा में हमें आगे आना चाहिए।

(ग) (क) **लक्ष्मीबाई**—महारानी लक्ष्मीबाई को मातृभूमि से बहुत प्रेम था। उसकी रक्षा में तलवार उठाकर लगातार लड़ती रही हैं। दृढ़प्रतिज्ञ लक्ष्मीबाई ने हँसते-हँसते आजादी की बलिवेदी पर स्वयं को न्योछावर कर दिया। वह देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के लिए सब कुछ त्यागने को तत्पर रहती थीं।

(ख) **मुन्दर**—मुन्दर महारानी लक्ष्मीबाई की सहेली थी। वह अंग्रेजों के आगमन की सूचना पर व्याकुल हो उठी और उसने चाहा कि उन्हें एकदम वहाँ से खदेड़ देना चाहिए। वह आज्ञापालक और वीरता के गुणों से युक्त एक सच्ची देशभक्त थी।

(ग) **तात्या**—तात्या प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम (1857) के सेनानी और लक्ष्मीबाई के एक सहयोगी थे। वे मातृभूमि की सुरक्षा और स्वराज्य की नींव का आधार बने। उन्होंने निर्भीक होकर शत्रु का मुकाबला किया।

2. **(क)** हम सब के एकतापूर्ण सहयोग से स्वराज्य प्राप्त करने में सफलता सम्भव है। आजादी मिल भी सकती है अन्यथा आजादी के लिए किये गये अपने प्रयासों के द्वारा स्वराज्य की नींव का पत्थर तो बन ही जायेंगे, जो आजादी के भवन को मजबूत और भव्य बनाने में सहायक होगा।

(ख) सेनापति रघुनाथ राव महारानी लक्ष्मीबाई के सर्वस्व त्याग पर कहता है कि लक्ष्मीबाई का सूर्य-सा तेज सूर्य के कभी भी समाप्त न होने वाले तेज में सदा के लिए विलीन हो गया अर्थात् सूर्य सदृश तेज वाली वीरांगना लक्ष्मीबाई अब सूर्य के अन्तहीन तेज में विलीन होकर सदा के लिए अमर हो गयीं।

3. (क) मुन्दर ने लक्ष्मीबाई से कहा।
(ख) रघुनाथ राव ने लक्ष्मीबाई से कहा।
(ग) तात्या ने लक्ष्मीबाई से कहा।
(घ) लक्ष्मीबाई ने जूही से कहा।

भाषा अध्ययन

1. छात्र अध्यापक की सहायता से शुद्ध उच्चारण का अभ्यास करें।

2. **विलास-प्रियता**—विलास-प्रियता देश की रक्षा में सबसे बड़ी बाधक है।
जनसेवक—जनता की रक्षा करने वाले जनसेवक कहलाते हैं।
स्वामिभक्त—जूही सच्ची स्वामिभक्त थी।
मरहम-पट्टी—डॉक्टर ने घायलों की मरहम-पट्टी करके इलाज किया।

3. (क) दुर्भाग्य (✓)
(ख) लक्ष्मीबाई (✓)
(ग) सुरक्षित (✓)
(घ) समर्पित (✓)
(ङ) युद्धघोष (✓)

4. **(क)** सोचते थे कि इस वर्ष फसल अच्छी होगी, परन्तु ओलाबृष्टि के कारण क्या से क्या हो गया?
(ख) गरीब छात्रा अपनी बड़ी मेहनत से कहाँ से कहाँ पहुँच गई?
(ग) मीना ने अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए बाहर भेजा; उसके परिवार वाले नहीं-नहीं करते रहे।
(घ) कौन कहता है कि पीओके भारत का हिस्सा नहीं है?

5.
- कौन कहता है, आप अकेली हैं, महारानी।
  कौन-सी बात की बाई साहब?
- कब हमने सोचा था, ऐसा भी होगा।
  कब क्या हो जाये, कह नहीं सकते।
- किसने ग्वालियर से झाँसी की ओर कूच किया?
  किसने सम्मान पाया है? देशभक्त ने या स्वामिभक्त ने।
- मेरी सहायता की किसे है दरकार।
  उसने किसे सहायता के लिए वचन दिया।

6. अध्यापक महोदय हाव-भाव से वाचन करवाएँ।

7.

शब्द	विपरीतार्थी शब्द
सफलता	असफलता
दुर्भाग्य	सौभाग्य
आकाश	पाताल
चेतन	अचेतन
दुर्बल	सबल
दुश्मन	मित्र

8. **हिमालय अड़ जाना**—जीवन लक्ष्य के मार्ग में कभी-कभी हिमालय अड़ जाता है।
नींद खुलना—आतंकवादियों के आक्रमण ने भारतीयों की नींद खोल दी।
पीठ दिखाना—सच्चे सैनिक समर में कभी पीठ नहीं दिखाते।
कलेजे पर पत्थर रखना—माँ अपने बेटे को कलेजे पर पत्थर रखकर देश-सेवा के लिए भेजती है।

9.

समास पद	समास विग्रह	समास का नाम
देशभक्त	देश का भक्त	तत्पुरुष समास
रणभूमि	रण की भूमि	तत्पुरुष समास
पेड़-पौधे	पेड़ और पौधे	द्वन्द्व समास
वीरबाला	वीर है जो बाला	कर्मधारय समास
फूल-पत्ती	फूल और पत्ती	द्वन्द्व समास
शुभ-अशुभ	शुभ और अशुभ	द्वन्द्व समास
युद्धघोष	युद्ध का घोष	तत्पुरुष समास

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (अ), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. क्षण, हिमालय। **2.** पेशवा, भाँग।
3. सरदार, फिरंगे। **4.** दामोदर, पीठ।
5. पैदल, हमला।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

13 अगर नाक न होती

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** नाक को प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है।

(ख) जब आदमी का बुरा वक्त आता है या उसे किसी से कोई काम करवाना होता है, तब वह सारी हेकड़ी भूलकर हजार बार नाक रगड़ने को मजबूर हो जाता है।

(ग) असली हींग और देशी घी की पहचान नाक से ही कर सकते हैं। नाक से सूँघकर हम असली और नकली की पहचान करते हैं।

(घ) बाहर की ठण्डी हवा को नाक गरम करके उसे अन्दर जाने देने के कारण नाक हीटर का काम करती है।

(ङ) सोने की हीरे-मोती जड़ी नथ, नथुनी, लौंग, बुलाक आदि आभूषण नाक में पहने जाते हैं।

(च) नाक के लिए चार उपमाएँ निम्नलिखित हैं—

(i) घड़े जैसी चपटी।
(ii) पकौड़ा जैसी मोटी।
(iii) सारस जैसी लम्बी।
(iv) चिलगोजे जैसी छोटी।

2. (क) आँख — देखना
(ख) कान — सुनना
(ग) नाक — सूँघना
(घ) मुँह — चखना
(ङ) त्वचा — छूना

भाषा अध्ययन

1. **तत्सम शब्द**— उच्छवास, प्रदूषण, पर्यावरण, मनोवैज्ञानिक, मृत्यु।
तद्भव शब्द— हेकड़ी, शिख, नख, पाँव, ब्याह, रूठ, सहेली।
देशज शब्द— नथुनी, बुलाक, असली, नकसुरा, छन्ना, छोछक, नकटा।
विदेशी शब्द— फ्रिज, प्लास्टिक सर्जरी, कटलेट, कूलर, टी.वी.।

2.
- मेरे विद्यालय के सामने एक दुकान है।
- बालकों के बिना घर सूना दिखता है।
- पेड़ के नीचे बिल है।
- पेड़ के ऊपर पक्षी बैठते हैं।
- मोहन खेत की ओर गया है।
- रामू की अपेक्षा मोहन ताकतवर है।
- बच्चे अपने माँ-बाप के साथ हैं।
- मिठाई के बदले फल खाना अच्छा है।

3.
- नाक रखना
- नाक कटना
- नाक ऊँची रखना
- नाक फुलाना
- नाक रहना
- नाक के नीचे होना
- नाकों चने चबाना।

क्रमशः मुहावरों का अर्थ—इज्जत का बचाव करना। इज्जत चली जाना। सम्मान बनाये रखना। गुस्सा हो जाना। इज्जत बनी रहना। उपस्थिति में होना। किसी को परेशान करना।

4.

अनेक शब्द	शब्द	बना मुहावरा	वाक्य प्रयोग
आँख	दिखाना	आँख दिखाना	कुछ लोग अकारण ही आँखें दिखाते रहते हैं।
अँगूठा		अँगूठा दिखाना	रामू के पैसे माँगने पर मोहन ने अँगूठा दिखा दिया।
दाँत		दाँत दिखाना	उनके दाँत दिखाते ही मैं समझ गई कि खाली हाथ है।
पीठ		पीठ दिखाना	भारतीय सैनिक रण में पीठ नहीं दिखाते।
जीभ		जीभ दिखाना	वह बार-बार जीभ दिखा रहा था।
आईना		आईना दिखाना	फिल्म में आज के समाज का आईना दिखाया गया है।

5.
- 'कितना' अच्छा होता 'अगर' वह घर आ जाता।
- 'कितना' अच्छा होता 'अगर' मेरा भाई आज यहाँ होता।
- 'कितना' अच्छा होता 'अगर' वह मेरे साथ होता।
- 'कितना' अच्छा होता 'अगर' वह मेरे संग दौड़ा होता।
- 'कितना' अच्छा होता 'अगर' विद्यालय खुला होता।

6. **(क)** वे मौके की तलाश में रहते हैं कि कब, कैसे, किसी की नाक रगड़वा दें।

(ख) यह कोशिश रहती है कि उसकी नाक न कटवा दें।
(ग) आज तुम्हें अच्छा गाना सुनवाती हूँ।
(घ) सेठ जी अपने बच्चे के जन्मदिन पर सभी को दावत खिलवाते हैं।

7.

खाना	खाकर	खाया
जाना	जाकर	गया
गाना	गाकर	गाया
पढ़ना	पढ़कर	पढ़ा
हँसना	हँसकर	हँसा
रोना	रोकर	रोया
सोना	सोकर	सोया
धोना	धोकर	धोया

8.

उद्देश्य	हिन्दी शब्द
औकात	क्षमता
आदमी	मनुष्य
खानदान	कुटुम्ब
इलजाम	दोष
वक्त	समय
तलाश	अन्वेषण
जिंदगी	जीवन
मर्द	पुरुष

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (ब), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (द)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. नाक, अंग। **2.** लोग, मक्खी।
3. नजर, फर्क। **4.** चटोरों, मुँह।
5. मतलब, मालिक।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

विविध प्रश्नावली – 2

1. **(क)** खान हींग बेचने का काम करता था।
(ख) मिसाइलमैन के नाम से डॉ. अब्दुल कलाम प्रसिद्ध हैं क्योंकि उन्होंने 'अग्नि' मिसाइल का सूत्रपात किया।
(ग) सुभाषचन्द्र बोस ने माण्डले जेल से एन. सी. केलकर के नाम पत्र लिखा था। उसमें उन्होंने चर्चा की थी कि इसी जेल में लोकमान्य तिलक को छः वर्ष तक रखा गया। यहीं उन्होंने सुप्रसिद्ध 'गीता भाष्य' लिखा था। यहाँ लोकमान्य तिलक ने अपने बहुमूल्य जीवन की इस अवधि में कितनी पीड़ा सहन की थी। साथ में जेल की दिनचर्या पर भी चर्चा की थी।
(घ) तात्या सन् 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानी थे और वे झाँसी की महारानी लक्ष्मीबाई के एक सहयोगी थे।
(ङ) हमारे प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान हैं—
(i) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान। (ii) बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान। (iii) माधव राष्ट्रीय उद्यान, शिवपुरी। (iv) सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, होशंगाबाद। (v) संजय राष्ट्रीय उद्यान (हमारे प्रदेश के सीधी जिले और छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले तक फैला हुआ है।) (vi) इन्दिरा प्रियदर्शिनी पेंच राष्ट्रीय उद्यान, सिवनी। (vii) पन्ना राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिजर्व क्षेत्र-पन्ना और छतरपुर जिलों तक फैला हुआ है। (viii) वन विहार राष्ट्रीय उद्यान हमारे प्रदेश की राजधानी भोपाल में है। (ix) 'जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान' जिला मण्डला। इसमें वनस्पति जीवाश्मों को संरक्षित किया गया है।
(च) (i) गौरैया बड़ी फुर्तीली होती है, इधर-उधर फुदकती रहती है। (ii) गौरैया कच्चे घरों में, छप्परों में घास और तिनकों से अपना घोंसला बनाती है। (iii) गौरैया कभी मटके की गरदन पर, कभी अरगनी पर चहचहाती हुई इधर-उधर चहकती फिरती है। (iv) उसकी आँखें अति सुन्दर और नीलम मणि के समान होती हैं। (v) गौरैया सरसराती हवा में तैरती हुई उठती जल की लहरों के पानी से अपनी प्यास बुझाती है।
(छ) नींव का पत्थर महारानी लक्ष्मीबाई और उनके सहयोगीगण हैं, जिन्होंने स्वराज्य की स्थापना की भूमि तैयार करने के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी।

2. **(क)** हींगवाला खान ने सावित्री से कहा।
(ख) लक्ष्मीबाई ने तात्या से कहा।
(ग) महारानी लक्ष्मीबाई ने अपने सरदार रामचन्द्र से कहा।
(घ) हरमिन्दर नामक छात्र ने अपनी शिक्षिका श्रीमती संध्या से कहा।

3. **(क)** बान्धवगढ़।
(ख) चीता।
(ग) रुद्रवीणा।
(घ) फुदक रही।

4. **(क)** डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने देशसेवा

के लिए अपने आदर्श को स्पष्ट करते हुए कहा था कि वे धन प्राप्त करने की इच्छा से विदेश जाना पसन्द नहीं करेंगे। इस तरह धन का कमाना भविष्य सँवारना नहीं हो सकता, वह तो एक मोह मात्र है। अत: देश की सेवा करने का जो मुझे अवसर मिला है, उसे में अपने हाथ से कभी जाने न दूँगा।

(ख) समय बहुत मूल्यवान होता है। अत: जो भी कुछ करना है, उसे तत्काल कर डालने के लिए संगठित रूप में उठ बैठो और अपने जीवन का कोई भी क्षण व्यर्थ मत जाने दो।

(ग) बालक श्रीकृष्ण के मुख से क्रोध भरी बातें सुन-सुनकर माता यशोदा बहुत प्रसन्न होती हैं।

(घ) कवि कहता है कि मैंने भी अपना आश्रय उसी प्रकार बनाया है जिस प्रकार गौरैया एक-एक तिनका चुन-चुनकर अपना घोंसला बनाती है।

(ङ) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहते हैं कि हमारे देश के युवकों को सपने अवश्य देखने चाहिए। इन सपनों या कल्पनाओं को विचारों का रूप देकर उनके अनुसार कार्य करना चाहिए।

5. **(क) नींद खुलना**—लगातार सारे विषयों में फेल होने पर नितिन की नींद अब तो खुल जानी चाहिए।

नाक कटना—मदन के अनैतिक कारनामों से तो वकील साहब की नाक ही कट गयी है।

आँख का तारा—श्रवणकुमार अपने माँ-बाप की आँखों के तारे थे।

नौ दो ग्यारह होना—पुलिस के आते ही चोर नौ दो ग्यारह होने लगे।

श्री गणेश करना—शिवकरण ने नवरात्रि में अपने व्यवसाय का श्रीगणेश किया।

प्राण मुरझा जाना—बारिस की राह देखते-देखते फसल के प्राण मुरझा गये।

(ख) अन्वेषक—चन्द्रशेखर वेंकट रमण विज्ञान के क्षेत्र में महान अन्वेषक रहे।

दुश्मन—भारतीय सैनिक देश की सीमाओं पर दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखते हैं।

तलवार—शिवाजी की तलवार सूरज की किरणों की भाँति दमकती थी।

अधिकार—हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना भी चाहिए।

वीरगति—कुरुक्षेत्र के मैदान में अनेक वीर योद्धा वीरगति को प्राप्त हो गए।

शहीद—देश की आजादी में लाखों सैनिक शहीद हो गए।

वैज्ञानिक—डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम देश के महान वैज्ञानिक थे।

6. (क) द्वन्द्व
(ख) सामाजिक
(ग) परि
(घ) सरिता
(ङ) कर्मधारय।
(च) मैया, मोहि दाऊ बहुत खिझायो।
(छ) अग्नि।
(ज) दुग्ध।

7. **(क)**

अशुद्ध शब्द		**शुद्ध शब्द**
प्रछेपण	—	प्रक्षेपण
किर्तिमान	—	कीर्तिमान
भास्यकार	—	भाष्यकार
सान्तवना	—	सान्त्वना
विस्रान्ती	—	विश्रान्ति
साम्प्रदयिक	—	साम्प्रदायिक
विस्वविख्यात	—	विश्वविख्यात
स्वराज	—	स्वराज्य

(ख) (i) **पिता** ने पुत्र को पुस्तक दी।
रामू रात को दूध **पीता** है।
(ii) हमने **सुना** है कि आज मेला है।
बच्चों के बिना घर **सूना** है।
(iii) संत जन **हंस** जैसे होते हैं।
बच्चे विदूषक की बातें सुनकर **हँस** रहे थे।

8. **'अनु'** उपसर्ग लगकर बने शब्द—
अनुसरण, अनुशासन, अनुकरण, अनुचर, अनुक्रम, अनुरूप, अनुगमन।
'आ' उपसर्ग लगकर बने शब्द—
आरक्षण, आगमन, आकर्षण, आजन्म, आचरण, आजीवन, आरोहण, आमरण।

9. **(क)** सम्बन्ध कारक।
(ख) सम्प्रदान कारक।
(ग) अधिकरण कारक।
(घ) कर्त्ताकारक व सम्बन्ध कारक।

10. **(क)** मेरे देखते-देखते, क्या से क्या हो गया जूही? झाँसी, कालपी, ग्वालियर कहाँ से कहाँ पहुँच गई?

(ख) जब खान ने हींग तौलकर, पुड़िया बनाकर सावित्री के सामने रख दी, तब सबसे छोटे बच्चे ने पुड़िया उठाकर खान के पास फेंकते हुए कहा, "ले जाओ, हमें नहीं लेना है।" चलो, माँ भीतर चलो।

(ग) बान्धवगढ़ उमरिया जिले में स्थित है। उमरिया के अलावा रीवा, शहडोल, जबलपुर और कटनी नगरों से भी यहाँ के लिए बसें मिलती हैं।

11. • खून पसीना एक करना
- अन्धे की लाठी
- चल बसना
- आँखें खुलना
- कान भरना
- नाक में दम करना
- आँखें बिछाना
- मुँह की खाना
- जहर उगलना
- मुँह छिपाना
- नाक कट जाना
- भौं चढ़ाना।

12.

जिसके आने की तिथि मालूम न हो।	अतिथि
जिसके दस आनन हैं।	दशानन (रावण)
जो बहुत बोलता है।	वाचाल
जो पढ़ना-लिखना जानता है।	साक्षर
जो संगीत जानता है।	संगीतज्ञ
जिसका उदर लम्बा है।	लम्बोदर (गणेश)

13. (क) हाँ, संघर्ष करने से सफलता जरूर मिलती है।

(ख) डॉ. अब्दुल कलाम का जीवन हमें आशावान बनने, संघर्षशीलता का गुण विकसित करने की प्रेरणा देता है।

(ग) **मेरी रोचक यात्रा**

पिछले वर्ष के ग्रीष्मावकाश में मेरे पिताजी ने एलीफेंटा गुफाएँ देखने के लिए मुंबई यात्रा का कार्यक्रम बनाया, तो मेरी प्रसन्नता का ठिकाना न रहा। पिताजी ने रेल की टिकटें आरक्षित करवा लीं। हम लोग गाड़ी के समय से एक घंटा पूर्व ही नई दिल्ली स्टेशन पर पहुँच गए। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ थी। जैसे ही गाड़ी आई, प्लेटफार्म पर अफरा-तफरी मच गई। लोग डिब्बों में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे हैं। अधिकांश लोगों ने अपनी सीटें आरक्षित करा रखी हैं। हम आराम से चढ़ेंगे। थोड़ी देर में हम अपने डिब्बे में चढ़े। सौभाग्य से हमारी सीटें निचले बर्थ पर थीं और एक सीट खिड़की के पास वाली थी। थोड़ी ही देर में इंजन ने सीटी दी, गाड़ी सरकने लगी और धीरे-धीरे उसने रफ्तार पकड़ ली। डिब्बे के सभी यात्रियों ने कुछ-न-कुछ करना शुरू कर दिया। किसी ने अखबार पढ़ना शुरू कर दिया, तो किसी ने कोई दूसरी पत्रिका। मैं लेट गया और न जाने कब आँख लग गई। तभी रेलवे विभाग के कर्मचारी आ गए और नाश्ते व चाय आदि का आर्डर लेकर चाय ले आए। हमने भी चाय पी और नाश्ता किया। अब दोपहर का समय हो गया था। हमने खाना खाया। अब बैठे-बैठे मन उकता गया था। मैं पिताजी से बार-बार यही पूछता कि गाड़ी मुंबई कब पहुँचेगी? पिता जी ने हँसकर कहा, "बस केवल तीन-चार घंटे का सफर और है।" तीन-चार घंटे की यात्रा भी पूरी हुई और हम मुंबई पहुँच गए। यह यात्रा मुझे सदैव याद रहेगी।

(घ) मुझे 'मेघ बजे' कविता अच्छी लगती है। इसकी भाषा सरल, सरस और समझ में आने वाली है। प्रकृति का चित्रण सरल भाषा शैली में किया गया है।

14. (क) भारत के राष्ट्रीय वन उद्यानों में सबसे अधिक वन उद्यान मध्यप्रदेश में हैं जिनकी संख्या नौ है। इनमें मंडला और बालाघाट जिले में स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश का सबसे प्रसिद्ध और पुराना राष्ट्रीय उद्यान है। इसके अतिरिक्त बांधवगढ़ (उमरिया जिले में), माधव राष्ट्रीय उद्यान (शिवपुरी जिले में), सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान (होशंगाबाद जिले में), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (पन्ना जिले में), पेंच राष्ट्रीय उद्यान (सिवनी जिले में), वन विहार (भोपाल में) और जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान (मंडला जिले में) स्थित हैं। इन राष्ट्रीय उद्यानों में मुख्यत: बाघ, बारहसिंगा, चीतल, सांभर, कृष्णमृग, तेंदुआ, नीलगाय, भालू, गौर, चौसिंगा चिंकारा, जंगली सुअर, भेड़िया, सोन कुत्ता आदि छोटे-बड़े पशु एवं सोखपर, फाख्ता, मोर, कबूतर, तीतर-बटेर, चील, गरुड़, बगुला, सारस, वनमुर्गी, धनेश, किलकिला, मैना आदि पक्षी पाए जाते हैं।

(ख) विज्ञान और जीवन

प्रस्तावना— आज विज्ञान का युग है। हर दिशा में विज्ञान की विजय का झण्डा फहरा रहा है। विज्ञान हमारे पूरे जीवन को प्रभावित कर रहा है।

(i) ज्ञान एवं शिक्षा—आज विद्या का जो प्रकाश दिखाई दे रहा है वह विज्ञान के ही कारण है । हम जिन पुस्तकों, कापियों, पेन-पेंसिलों आदि का प्रयोग करते हैं वे हमें विज्ञान की कृपा से ही प्राप्त होती हैं । कैलकुलेटर के आविष्कार ने गणित के लम्बे प्रश्नों को भी सरल बना दिया है । कम्प्यूटर इस दिशा में उससे भी चार कदम आगे है ।

(ii) यातायात—विज्ञान के आविष्कारों ने यात्रा

को अत्यन्त सरल और आनन्ददायक बना दिया है । अब ऊँचे पर्वत और गहरे समुद्र भी मनुष्य के मार्ग में बाधक नहीं हैं । बड़े-बड़े जलपोत समुद्र की लहरों को चीरते हुए चले जाते हैं । आज हम वायुयान द्वारा हजारों मील की यात्रा कुछ ही घण्टों में तय कर लेते हैं ।

(iiii) समाचार—आज टेलीफोन, मोबाइल, टेलीप्रिन्टर, ई-मेल आदि के द्वारा सारे संसार के समाचार इधर से उधर आते-जाते रहते हैं।

(iv) मनोरंजन— अब टेलीविजन तथा वीडियो द्वारा आवाज के साथ-साथ चित्रों का भी आनन्द लिया जा सकता है ।

(v) चिकित्सा—एक्स-रे आदि यन्त्रों के द्वारा शरीर की भीतरी बीमारी का भी ठीक-ठीक पता लग जाता है । अब बड़े-से-बड़े ऑपरेशन सफलतापूर्वक हो जाते हैं।

(vi) युद्ध—अब युद्ध-कला को भी विज्ञान ने आधुनिक बना दिया है । रडार नामक यन्त्र द्वारा विदेशी आक्रमण का पहले से पता लग जाता है—वैज्ञानिक इस प्रयास में लगे हैं कि आने वाले समय में सैनिकों के स्थान पर रोबोट ही युद्ध में लड़ा करें।

उपसंहार—आज हमारे जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिस पर विज्ञान का प्रभाव न हो । यहाँ तक कि उसने प्रकृति को मनुष्य की दासी बना दिया है । अब तो वैज्ञानिक अन्य ग्रहों पर जाने की तैयारी कर रहे हैं । विज्ञान के कारण ही आज हम अपनी धरती से अन्य देशों के समान चन्द्रलोक आदि की भी सैर कर सकते हैं । इसीलिए तो किसी कवि ने कहा है—
है दिव्य तुम्हारा चमत्कार। विज्ञान-देवता ! नमस्कार।।

15. मामा की शादी में जाने के लिए अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र

सेवा में
श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय
आदर्श विद्या मन्दिर
देवास

विषय—शादी हेतु अवकाश के लिए।

मान्य महोदय,
विनम्र निवेदन है कि मेरे मामा साँवरमल का शुभ विवाह दिनांक 22 जनवरी, 20..... को है। अत: श्रीमान् जी से प्रार्थना है कि मुझे दिनांक 20 जनवरी, 20..... से 25 जनवरी, 20..... तक छ: दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। प्रार्थी आपका चिर-ऋणी रहेगा। धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

रामस्वरूप
कक्षा 7 'ब'

14 मत ठहरो, तुमको चलना ही चलना है

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. (क) कवि का ठहरने से तात्पर्य है— गतिहीन हो जाना, किसी भी प्रकार की उन्नति से रहित।

(ख) हमें अपने साथ जमाने को अर्थात् अन्य पिछड़े हुए लोगों को भी लेकर चलना है।

(ग) पक्के इरादों से जीवन की बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

(घ) कवि के अनुसार मनुष्य को उचित अवसर के हाथ से निकाल दिये जाने पर पछताना पड़ता है।

(ङ) ठहरना पतन का और मृत्यु का प्रतीक है। अत: कवि निरन्तर चलते रहने को महत्त्व दे रहा है।

(च) कर्म ही ईश्वर की पूजा है। अत: प्रत्येक क्षण का सही उपयोग करते हुए काम पूरा करना चाहिए, नहीं तो उचित अवसर के हाथ से निकल जाने पर हमें पछताना पड़ेगा। इसलिए हमें अपना समय व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए।

2. (क) भावार्थ—कवि कहता है कि तुम्हें लगातार चलते रहना है और अपने साथ-साथ दूसरों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। जो लोग उन्नति नहीं कर पाए हैं अथवा तरक्की की दौड़ में पीछे रह गए हैं, उन्हें आगे बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। इसी प्रकार संसार की उन्नति में सहयोगी बनकर तुम्हें इस उन्नति का और संसार की प्रगति का चिह्न बनना है। इस संसार के लोगों की भलाई के लिए कार्य करने के साँचे में तुम्हें ढल जाना चाहिए। इसलिए तुम ठहरो मत, तुम्हें तो आगे ही बढ़ते जाना है।

(ख) भावार्थ—कवि कहता है कि जीवनरूपी मार्ग में आने वाली रुकावटें और विफलताएँ मनुष्य के पक्के इरादों को देखकर अपने आप ही दूर हो जाती हैं। पक्के इरादों वाला व्यक्ति इन बाधाओं और विफलताओं को अपने इरादों से ठोकर मारकर दूर कर देता है। वह अपने मार्ग के काँटों को अपने पैरों से कुचल डालता है।

3. (क) छलना। (ख) ढलना।
(ग) दलना। (घ) मलना।

(ङ) टलना।

भाषा अध्ययन

1. • दिए गए मुहावरों का अर्थ—

(क) अनुकूल बन जाना :
तुमको जनहित के साँचे में ढलना है।

(ख) पछताना :
अवसर खोकर तो सदा हाथ मलना है।

(ग) प्रतिज्ञा कर लेना :
जब चलने का व्रत लिया, ठहरना कैसा।

(घ) लग जाना :
जो कुछ करना है, उठो! करो, जुट जाओ।

(ङ) समय को निकाल देना :
अवसर खोकर तो सदा हाथ मलना है।

2. • चलना, टलना, छलना, ढलना, दलना, मलना।
• पतन, जीवन।
• चलाओ, बढ़ाओ, ठुकराओ, जुट जाओ, गँवाओ।
• आती हैं, जाती हैं।

3. (क) पतन। (ख) चलना।
(ग) अनहित। (घ) सफलता।
(ङ) दु:ख।

4. (क) मत रुको, आगे बढ़ो। रुको, मत आगे बढ़ो।
(ख) पढ़ो, मत बात करो। पढ़ो, बात मत करो।
(ग) मत हँसो, भोजन करो। हँसो, मत भोजन करो।
(घ) मत भागो, धीरे चलो। भागो, मत धीरे चलो।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स), **2.** (द), **3.** (अ), **4.** (स), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. गति, विश्रान्ति। **2.** चलने, ठहरना।
3. जमाना, चलाओ। **4.** जनहित, साँचे।
5. दृढ़निश्चय, स्वयं।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

15 छोटा जादूगर

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** लेखक की छोटे जादूगर से पहली मुलाकात कार्निवाल के मैदान में हुई।

(ख) लेखक ने छोटे जादूगर से पहली बार मिलने पर पूछा कि क्यों जी, तुमने इसमें क्या देखा?

(ग) छोटे जादूगर का खेल उस दिन इसलिए नहीं जमा क्योंकि उसे अपनी बीमार माँ की दशा सताये जा रही थी। उस दिन माँ ने जल्दी लौट आने के लिए कहा था क्योंकि उनकी अंतिम घड़ी समीप ही थी।

(घ) लेखक ने कॉर्निवाल के मैदान में एक बालक को देखा जिसकी उम्र तेरह-चौदह वर्ष की रही होगी। वह अपनी जीविका के लिए ताश, गुड़िया, बन्दर आदि के खेल दिखाता था और लोगों का मनोरंजन करता था। इसलिए उसका नाम छोटा जादूगर पड़ गया।

(ङ) छोटे जादूगर को परिश्रम करने में विश्वास है। वह अपनी बीमार माँ की दवाई के लिए खेल दिखाता है। वह किसी के सामने हाथ नहीं फैलाता है। वह चतुर है, साहसी है और अभिवादनशील है। उसके इन्हीं गुणों ने मुझे प्रभावित किया।

2. (क) कार्निवाल। (ख) माँ।
(ग) छोटा जादूगर। (घ) तुरन्त, समीप।

भाषा अध्ययन

1. • शिक्षित बालकों में प्रगल्भता आ जाती है।
• रामू ने अपने तर्क में तथ्यपूर्ण बात कही है।
• मध्यप्रदेश में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान है।
• देश के स्वार्थी लोग अच्छे वातावरण को बिगाड़ रहे हैं।
• ईर्ष्या मनुष्य की बुद्धि का नाश कर देती है।
• मुसीबत में धैर्य से काम लेना चाहिए।

2. उछल पड़ना — अधिक प्रसन्न होना
दंग रह जाना — आश्चर्यचकित होना
पीठ थपथपाना — शाबासी देना
आँसू निकल पड़ना — दु:खी होकर रोना
चैन न पड़ना — परेशान होना

3. "छोटा जादूगर कहिए, यह मेरा नाम है। इसी से मेरी जीविका है।"
श्रीमती जी ने कहा, "अच्छा तुम इस रुपये से क्या करोगे?" "पहले भरपेट पकौड़ी खाऊँगा फिर एक सूती चादर लूँगा।"

4. छात्र स्वयं पढ़ें और समझें।

5.

विशेषण	**विशेष्य**
छोटा	जादूगर

एक	लड़का
गम्भीर	विषाद
अधिक	प्रसन्नता
लाल	कमलिनी
मस्तानी	चाल
दुर्बल	हाथ
समग्र	संसार

6. क-वर्ग— कङ्गन, अङ्क, शङ्ख, गंगा।
च-वर्ग— पञ्च, गुञ्जन, खञ्जन, रञ्जन।
ट-वर्ग— पण्डा, पण्डित, घण्टा, ठण्डा।
त-वर्ग— पन्त, चन्दन, धन्धा, कन्धा।
प-वर्ग— पम्प, कम्प, मन्दिर, दम्भ।

योग्यता विस्तार

1. छोटा जादूगर जैसा व्यक्ति यदि हमारे जीवन में आए तो हम उसे लेखक की भाँति पहले उसकी सच्चाई जानने का प्रयास करेंगे फिर जितना बन पड़ेगा उतनी उसकी मदद करने का प्रयास करेंगे।

2. गुणवाचक विशेषण— अच्छा, काला, आगामी, नरम, तीखा।
संख्यावाचक विशेषण— एक, दो, पहला, चौगुना, चारों, हर-एक।
परिमाणवाचक विशेषण— दो मीटर, दस बीघा, कई मीटर, थोड़ा, पूरा।
सार्वनामिक विशेषण— यह, वह, वे, ये, ऐसा।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स), **2.** (द), **3.** (अ), **4.** (स), **5.** (अ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. तिरस्कार। **2.** कार्निवाल, अभिनय।
3. निशानेबाज। **4.** एक रुपया।
5. दुर्बल।

सत्य/असत्य कथन

1. असत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

16 नरबदी

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** मैकल पर्वत के घने जंगलों के एक गाँव में दुग्गन रहता था। नरबदी उसकी बेटी थी। वह अपने पिता के साथ रहती थी।
(ख) नरबदी अपने पिता के साथ जंगल में भी चली जाती।
(ग) बरसात आने वाली थी। झोंपड़ी की मरम्मत के लिए बाँस लाने के लिए दुग्गन सुबह-सुबह पहाड़ की दिशा में चल पड़ा।
(घ) नरबदी अपनी प्यास के दुख को भुलाकर अपने परेशान पिता के बारे में सोचने लगी। उसकी आँखों से आँसुओं की धाराएँ बह चलीं। वह अपने देवता से मन ही मन प्रार्थना करने लगी कि वे उसके पिता की रक्षा करें। तुम मेरे प्राण ले लो, लेकिन मेरे प्यारे बाबा को बचा लो। इसके साथ ही नरबदी वहाँ से अदृश्य हो गयी और अपने बाबा को बचाने के लिए झरना बन गई।
(ङ) लोक कथा के अनुसार नरबदी के कारण नर्मदा नदी का जन्म हुआ।

2. **(क) आशय**—नरबदी प्यास से व्याकुल पिता के बारे में सोचने लगी तो उसके पिता का परेशान चेहरा स्पष्ट दिखाई पड़ गया जो अपनी प्यासी पुत्री के लिए पानी की तलाश कर रहा था।
(ख) आशय—नरबदी ने अपने परेशान और प्यास से व्याकुल पिता के लिए जल उपलब्ध कराने वाले झरने का रूप धारण कर लिया। अपने पिता (दुग्गन) से बोली कि बाबा मैं झरना बन गई हूँ, आप अपनी प्यास बुझा लीजिए।

3. (क) मैकल पर्वत।
(ख) माँ।
(ग) प्रार्थना।
(घ) झरना।
(ङ) प्यास।

भाषा अध्ययन

1. 1. नीर, जल
2. सरोवर, ताल
3. पहाड़, गिरि
4. गणपति, लंबोदर

2. वह मन ही मन बड़े देव को मनाने लगी है। "हे बड़े देव! मेरे बाबा को बचा लेना। उनका प्यास के मारे बुरा हाल है। पानी नहीं मिला तो वे मर जाएँगे।"

3. (क) नरबदी ने मुस्कुराने की कोशिश की।
(ख) वह बुरी तरह थक चुकी थी।
(ग) बरसात आने वाली थी।
(घ) नरबदी को वहाँ न पाकर वह चिन्तित हो उठा।
(ङ) नरबदी बह रही थी।

4.

संज्ञा	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
1. धन	धनी	यह	ऐसा
2. सुख	सुखी	वह	वैसा
3. ज्ञान	ज्ञानी	कौन	कैसा
4. दान	दानी	जो	जैसा
5. बल	बली		
6. गुण	गुणी		

5.

क्रिया	विशेषण	अव्यय	विशेषण
1. पढ़ना	पढ़ाकू	आगे	अगला
2. लड़ना	लड़ाकू	पीछे	पिछला
3. झगड़ना	झगड़ालू	बाहर	बाहरी
4. बेचना	बिकाऊ	ऊपर	ऊपरी

6.

				नया शब्द		अर्थ
(क)	आत्म	समर्पण	=	आत्मसमर्पण	=	अपने को दूसरों के हाथ सौंप देना
		प्रशंसा	=	आत्मप्रशंसा	=	खुद की प्रशंसा करना
		गौरव	=	आत्मगौरव	=	स्वयं का गौरव
(ख)	शीत	कालीन	=	शीतकालीन	=	सर्दी के समय का
	ग्रीष्म		=	ग्रीष्मकालीन	=	गर्मी के समय का
	वर्षा		=	वर्षाकालीन	=	वर्षा के समय का
(ग)	सर्व	उत्तम	=	सर्वोत्तम	=	सबसे अच्छा
	नर		=	नरोत्तम	=	नरों में अच्छा
	पुरुष		=	पुरुषोत्तम	=	पुरुषों में अच्छा
(घ)	प्रेम	पूर्वक	=	प्रेमपूर्वक	=	प्रेम के साथ
	सम्मान		=	सम्मानपूर्वक	=	सम्मान के साथ
	आग्रह		=	आग्रहपूर्वक	=	आग्रह के साथ
(ङ)	लिख	आवट	=	लिखावट	=	सुलेख
	बन		=	बनावट	=	आकार-प्रकार
	थक		=	थकावट	=	थकान

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (अ), **3.** (द), **4.** (स), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. प्यारी, नरबदी। **2.** मुस्कराने।
3. आसमान। **4.** कलकल, संगीत।
5. जल धाराएँ।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

17 और भी दूँ

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. (क) कवि मातृभूमि को तन-मन-प्राण अपना सब कुछ समर्पित करना चाहता है। साथ ही वह अपने मन में उठने वाली कल्पनाएँ भी अर्पित करना चाहता है।

(ख) कवि अपनी मातृभूमि की सेवा में सर्वस्व समर्पित कर देने के बाद भी सन्तुष्ट नहीं दिखता है। इसका कारण यह है कि उसे इस सबके बाद भी ऐसा लगता है कि अभी मन में कुछ देने की

लालसा बाकी है। उसे लगता है कि इतना कुछ देने के बाद भी वह मातृभूमि का ऋण चुका नहीं पा रहा है। इसलिए वह ऐसा कह रहा है।

(ग) गाँव, द्वार-आँगन आदि सभी का उसके ऊपर ऋण है जिसे वह चाहकर भी चुका नहीं सकता। इसलिए वह इन सभी से क्षमा याचना करता है।

(घ) कविता का मुख्य सन्देश यह है कि हम सभी के ऊपर अपनी मातृभूमि का ऋण है जिसे हम सर्वस्व त्याग कर भी चुका नहीं सकते। अतः हमारा धर्म है कि मोहरहित होकर तन-मन-प्राण से मातृभूमि की रक्षा के लिए तैयार रहें।

2. **(क)** तोड़ता हूँ मोह का बन्धन।

(ख) आयु का क्षण-क्षण समर्पित।

(ग) मन समर्पित, तन समर्पित और यह जीवन समर्पित।

चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी हूँ।

3. **(क)** (2) मातृभूमि के लिए सर्वस्व समर्पण की चाह।

(ख) (2) इनकी अपेक्षा देश के प्रति दायित्व निर्वाह को महत्त्वपूर्ण मानता है।

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं उच्चारण करें।

2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

3. • अपनी मातृभूमि के लिए सदैव समर्पित रहना चाहिए।
- मेरे घर के आँगन में तुलसी का पौधा है।
- राष्ट्रीय ध्वज मातृभूमि की शान है।
- माँ और मातृभूमि का आशीष लेकर सैनिक सरहद पर डटे रहते हैं।

4. • मन समर्पित, तन समर्पित।
- गान अर्पित, प्राण अर्पित,
रक्त का कण-कण अर्पित।
- शीश पर आशीष की छाया घनेरी।
- रक्त का कण-कण समर्पित।
- आयु का क्षण-क्षण समर्पित।
- नीड़ का तृण-तृण समर्पित।

5. माँ तुम्हारा ऋण बहुत है, मैं अकिंचन।
किन्तु इतना कर रहा फिर भी निवेदन।
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब भी।
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण

6.

फूल —	प्रसून	पुष्प	सुमन
पृथ्वी —	वसुधा	धरा	धरती
माथा —	मस्तक	भाल	कपाल
खून —	रक्त	रुधिर	लहू
गृह —	घर	आवास	निकेतन

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (अ), **3.** (अ), **4.** (ब), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. जीवन। **2.** ऋण।
3. रक्त। **4.** माँज।
5. आयु।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

1. (ग), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख)।

18 लोकमाता : अहिल्याबाई

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** अहिल्याबाई को लोग लोकमाता कहते थे क्योंकि उनके शासनकाल में सम्पूर्ण प्रजा सुख और शान्ति से तथा समृद्धि से भरपूर थी।

(ख) अहिल्याबाई को एक अच्छे शासक होने की राह पर आगे बढ़ाते हुए मल्हार राव ने अहिल्याबाई की आन्तरिक शक्तियों और क्षमताओं को पहचाना तथा अपने बेटे के समान ही राजनीति और युद्ध कला की शिक्षा दिलायी, घुड़सवारी सिखलाई।

(ग) युद्ध में अहिल्याबाई के पति खाण्डेराव के वीरगति को प्राप्त हो जाने के कारण अहिल्याबाई के कंधों पर सास-ससुर के साथ-साथ राज्य का भार भी आ गया। उन्होंने जनकल्याण के लिए दृढ़तापूर्वक होल्कर राज्य की बागडोर अपने हाथों में सँभाली।

(घ) राघोवा द्वारा आक्रमण किए जाने पर बिना विचलित हुए सुयोग्य और राजनीतिज्ञ अहिल्याबाई ने तुकोजी को युद्ध करने के लिए भेजा और पेशवा राघोवा के लिए एक पत्र लिखा कि वह उनके पूर्वजों के राज्य को हड़पने का सपना न देखे। वह स्वयं नारी सेना लेकर युद्ध करेंगी। आप हारे तो नारी द्वारा पराजित होने का अपयश मिलेगा। यदि उसने विजय भी प्राप्त की तो एक विधवा के राज्य को हड़पने की कालिख लगेगी। पेशवा राघोवा पर इस बात का इतना

प्रभाव पड़ा कि वह बिना युद्ध किये लौट गया। इस प्रकार अपनी दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता से राज्य को भयमुक्त किया।

(ङ) सौभाग सिंह रामपुरा का सरदार था जिसने महारानी से विद्रोह कर लिया और उदयपुर के राणा की सहायतार्थ सेना भेजी। मन्दसौर के युद्ध क्षेत्र में भयानक युद्ध हुआ। तिरेसठ वर्षीय अहिल्याबाई ने युद्ध का संचालन किया। विरोधी सेना के छक्के छुड़ा दिये और सौभाग सिंह को पकड़ लिया गया।

(च) अहिल्याबाई ने भीलों द्वारा लूटपाट की समस्या को सुलझाने के लिए भीलों के सरदार को ही यात्रियों की सुरक्षा का दायित्व सौंप दिया। साथ ही, यह नियम भी बना दिया कि जिस इलाके में यात्रियों से लूटपाट होगी, वहाँ के भील को उसकी भरपाई करनी होगी। इस तरह विवेकपूर्ण ढंग से इस समस्या से मुक्ति मिली।

(छ) महारानी अहिल्याबाई के शासनकाल में सम्पूर्ण प्रजा सुखी और सम्पन्न थी। उन्होंने उद्योग-धन्धों को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने विद्वानों, लेखकों, साहित्यकारों, ज्योतिषियों तथा कलाकारों को प्रोत्साहित किया। उन्हें राज्य में बसाया और उन्हें पुरस्कृत भी किया। पूरे भारत में मन्दिर बनवाये। जरूरतमन्दों को कभी निराश नहीं होने दिया। इस तरह अहिल्याबाई का जीवन जनहित की मिसाल है।

2. **(क)** निर्भय।
(ख) कुशलता से।
(ग) वास्तु।

भाषा अध्ययन

1. प्र, स, आ, सु, आ, अप, वि, वि, वि।

2. (क) छक्के छूट जाते।
(ख) मन मोह लिया।
(ग) मुँह पर कालिख लग जाती।
(घ) भूरि-भूरि प्रशंसा करते।
(ङ) घुटने नहीं टेके।
(च) दाँतों तले अँगुली दबा लेते।

3. **स्त्रीलिंग**— शीलवती, बुद्धिमती, सुता, घोड़ी, नानी, जेठानी, सेठानी, ठकुराइन।

योग्यता विस्तार

3. अहिल्याबाई के अलावा भारत के लिए महान कार्य करने वाली महिलाएँ— सावित्रीबाई फुले, इन्दिरा गांधी, महारानी लक्ष्मीबाई, रानी चेन्नमाबाई, रानी दुर्गावती आदि हैं जिन्होंने देश के लिए महान कार्य किए।

4. **अहल्या**— वह धरती जिसे जोता न जा सके।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (द), **2.** (ब), **3.** (अ), **4.** (अ), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. खाण्डेराव। **2.** दो।
3. खाण्डेराव। **4.** क्षीणकाय।
5. यशवंतराव फणसे।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

1. (घ), **2.** (ग), **3.** (ख), **4.** (क), **5.** (ङ)।

19 ज्ञानदा की डायरी

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** ज्ञानदा का चयन राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता के लिए हुआ था।

(ख) ढोलक और नगड़िया की थाप पर हाथ में पकड़े डण्डों को लय के साथ आपस में टकराते हुए मौनिया नर्तक अपने कदम बिना ताल चूके थिरका रहे थे।

(ग) ज्ञानदा हाफ बैक की जगह पर खेल रही थी। विपक्षी सेण्टर फारवर्ड खिलाड़ी गेंद लेकर उनके गोल की तरफ बढ़ी तो उसने (ज्ञानदा ने) उसे रोकने के लिए गलत तरीके से 'हॉकी स्टिक' अड़ा दी जिससे वह गिर पड़ी, उसका घुटना छिल गया था। ज्ञानदा को इस बात का दु:ख था।

(घ) खेलों से हम अनुशासन, धैर्य, सहिष्णुता, उदारता और हार-जीत को समान रूप से लेने का गुण सीखते हैं।

(ङ) सूझबूझ और तत्काल निर्णय लेने के गुण के लिए कोच ने ज्ञानदा की तारीफ की।

2. (क) सर्वोपरि।
(ख) हॉकी का गढ़।
(ग) औबेदुल्ला स्वर्णकप।
(घ) ग्यारह।
(ङ) पेनाल्टी कॉर्नर।

3. (1) (ब) मेजर ध्यानचन्द।
(2) (स) मौनिया नृत्य।
(3) (द) भोपाल।
(4) (अ) हाफ बैक।
(5) (अ) 29 अगस्त।

4. 1. क्रिकेट 2. कैरम
3. फुटबाल 4. टेबिल टेनिस
5. भारोत्तोलन 6. कबड्डी
7. गोल्फ 8. खो-खो
9. कुश्ती 10. निशानेबाजी
11. फुटबाल 12. पोलो

भाषा अध्ययन

1.
- प्रसिद्धि प्राप्त करना
- सफलता दिखाना
- सबको मोहित करना
- कड़ी मेहनत करना
- बराबरी का मुकाबला
- पूरी शक्ति लगा देना।

इन मुहावरों के प्रयोग वाले वाक्य—
(क) भोपाल के कई खिलाड़ियों ने इस खेल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है।
(ख) ग्वालियर के शिवाजी पवार, शंकर-लक्ष्मण और क्रिस्टी ने भी हॉकी के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने नाम के झण्डे गाड़े हैं।
(ग) यहाँ के लोकनृत्य 'मौनिया' ने तो जैसे समाँ बाँध दिया।
(घ) विपक्षी दल के खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया, पर हमारी गोलकीपर रोजी ने अच्छा बचाव किया।
(ङ) सेमीफाइनल मैच में काँटे की टक्कर रही और अतिरिक्त समय देने के बाद भी मुकाबला एक-एक गोल की बराबरी पर छूटा।
(च) कल हमें जीतने के लिए सारी ताकत झोंकनी पड़ी।

2. **प्रतीक्षा**—किसी को प्रतीक्षा कराना मुझे कष्टदायी लगता है।
संभागीय—मेरे विद्यालय में प्रतिवर्ष संभागीय खेलों का आयोजन किया जाता है।
चयन—बड़ी मुश्किल से क्रिकेट टीम का चयन किया गया।
गौरव—भारतीय टीम द्वारा स्वर्णपदक प्राप्त करना गौरव की बात है।
चहल-पहल—स्टेशन पर बड़ी चहल-पहल है।
स्वर्णपदक—अभिनव विन्द्रा ने ओलम्पिक प्रतियोगिता में स्वर्णपदक प्राप्त किया।
जन्मदिवस—2 अक्टूबर को गांधीजी का जन्मदिवस मनाया जाता है।
कौशल—ध्यानचन्द ने बड़े कौशल से हॉकी प्रतियोगिता में जीत हासिल की।
आक्रामक—ज्ञानदा ने आक्रामक रुख अपनाते हुए एक गोल किया।

3. पत्र-पत्ता, चिट्ठी।
पृष्ठ-पीठ, पन्ना।
लक्ष्य-उद्देश्य, निशाना।
जीवन-जिन्दगी, जल।
प्रयोग—
- पेड़ के सारे पत्ते झड़ गए हैं।
  आपका पत्र मुझे पहली बार मिला है।
- तखती के पृष्ठ पर कील ठोक दी गई।
  अपनी पुस्तक का अगला पृष्ठ खोलिए।
- कभी भी लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए।
  अर्जुन ने पक्षी की आँख पर लक्ष्य साधा।
- मानव जीवन बड़ा अनमोल है।
  चन्द्रमा में जीवन नहीं है।

4.

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू
सम्भागीय	सीनियर	मदद
वर्ग	टीम	मुताबिक
स्पर्धा	ओलंपिक	जादूगर
राष्ट्रीय	टूर्नामेन्ट	खता
दल	जूनियर	तरीका
शपथ	रेलवे स्टेशन	शहीद
	मैनेजर	खूबसूरत
	ट्रेन	शबनम
	कैप्टन	दर्द
	स्टेडियम	मुकाबला
	मार्चपास्ट	

5.
- (i) भवसागर, (ii) सुखसागर।
- (i) नियमानुसार, (ii) कथनानुसार।

प्रयोग—
- (i) ईश्वर का नाम भवसागर पार करने का आधार है।
  (ii) कबीर ने अमर होकर सुखसागर प्राप्त किया।
- (i) हमें नियमानुसार सारे काम करने चाहिए।
  (ii) गुरुदेव के कथनानुसार निर्मल मन में ही

ईश्वर वास करते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (द), **3.** (अ), **4.** (द), **5.** (अ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. भोपाल। **2.** स्टेशन। **3.** मुख्य अतिथि। **4.** रीता।
5. पेनाल्टी।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य, **6.** असत्य।

सुमेलन

1. (घ), **2.** (क), **3.** (ख), **4.** (ग)।

20 महान् वैज्ञानिक : डॉक्टर चन्द्रशेखर वेंकट रमण

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** चन्द्रशेखर वेंकटरमण का जन्म दक्षिण भारत में तिरुचिरापल्ली नगर में 7 नवम्बर सन् 1888 ई. में हुआ था।

(ख) उच्च शिक्षा समाप्त करने के बाद रमण लेखा विभाग की प्रतियोगी परीक्षा में बैठे। परीक्षा में सफलता हेतु उन्होंने विज्ञान का विद्यार्थी होते हुए भी इतिहास, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत आदि नए विषयों का अध्ययन किया और इस परीक्षा में भी उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी नियुक्ति भारत सरकार के सहायक महालेखापाल के पद पर कलकत्ता में हो गई।

(ग) 'लेनिन शान्ति पुरस्कार' प्राप्त करते समय डॉ. रमण ने कहा था कि मैंने अपने ज्ञान का उपयोग सैनिक कार्यों के लिए कभी नहीं किया। मैंने हमेशा यही कोशिश की है कि मेरी खोजों का इस्तेमाल रचनात्मक कार्यों में हो और इससे मानव-जाति का कल्याण हो।

(घ) 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान-दिवस' के रूप में मनाया जाता है क्योंकि 'रमण-प्रभाव की खोज 28 फरवरी, सन् 1928 ई. में हुई थी।

(ङ) डॉ. रमण की यह अभिलाषा थी कि हमारा देश वैज्ञानिक खोजों के मामले में अपने पैरों पर खड़ा हो ताकि हमें विदेशों का मुँह न ताकना पड़े।

2. (क) (2) सन् 1930 में।
(ख) (3) भारत रत्न।
(ग) (4) कनाड़ा।
(घ) (1) 28 फरवरी, 1928 को।
(ङ) (2) 21 नवम्बर, 1970 ई. को।

भाषा अध्ययन

1.
- शिक्षा
- आविष्कार
- अनुसंधान
- आशुतोष
- पुरस्कार।

2. छात्र अपने घर के सदस्यों से पूछकर इस तालिका को स्वयं तैयार करें।

3.

शब्द	उपसर्ग से बने शब्द	प्रत्यय से बने शब्द
असाधारण	असाधारण	....
लकड़हारा	....	लकड़हारा
सफलता	....	सफलता
अनुकृति	अनुकृति	....
वैज्ञानिक	....	वैज्ञानिक
अभिमान	अभिमान	....
मिठाईवाला	....	मिठाईवाला
भारतीय	....	भारतीय

4. 1. रमण पहली बार विदेश गए।
2. रमण प्रतिभाशाली थे।
3. रमण नोबल पुरस्कार विजेता थे।
4. रमण खोज में जुट गए।
5. रमण भारत रत्न थे।

योग्यता विस्तार

2. वैज्ञानिक बनने के लिए दसवीं के बाद फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथ्स जैसे विषयों का चयन करना होता है। इसके बाद इन्हीं विषयों के साथ ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन जैसे—एमएससी, एमफिल, पीएचडी, इंजीनियरिंग आदि करना होता है। यदि आप इन परीक्षाओं में सफल होते हैं तो आगे वैज्ञानिक पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

3. कृषि में होने वाले कार्यों में फसलों, फलों, सब्जियों, फूलों आदि का उत्पादन किया जाता है। विभिन्न फसलें अलग-अलग प्रदेशों में उगाई जाती हैं। फसलों के श्रेष्ठ उत्पादन के लिए वातावरण, मौसम, जलवायु, भूमि का प्रकार इत्यादि महत्वपूर्ण कारक हैं।
पहले किसान बैलों का उपयोग करता था लेकिन

अब ट्रैक्टर और मशीनों से कटाई-बुवाई की जाती है। पहले खेती की उर्वरता बढ़ाने के लिए, गोबर, सनई, ढैंचे आदि का उपयोग किया जाता था, अब रासायनिक खाद का सेवन किया जाता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (ब), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. तिरुचिरापल्ली। **2.** 1911
3. 1921 **4.** नीले रंग।
5. सर।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

1. (घ), **2.** (ग), **3.** (ख), **4.** (क)।

21 माँ ! कह एक कहानी

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. (क) पुत्र अपनी माँ से किसी राजा या रानी की कहानी सुनाने की हठ कर रहा है।

(ख) बड़े सबेरे उपवन में सिद्धार्थ भ्रमण कर रहे थे।

(ग) शिकारी ने हंस को बाण मारा था जिसके प्रहार से उसका पंख आहत हो गया और वह घायल होकर उपवन में सहसा गिर पड़ा।

(घ) सिद्धार्थ घायल हंस पर अपना अधिकार बता रहे थे और आखेटक कहता कि इस हंस पर मेरा अधिकार है क्योंकि मैंने इसे मारा है। इस प्रकार, सिद्धार्थ और आखेटक के बीच विवाद हुआ।

(ङ) माँ ने राहुल से रक्षक और आखेटक के मध्य घायल हुए हंस पर अधिकार किसका हो सकता है, इस विवाद का निर्णय करने को कहा।

(च) दया, सत्य और दयावान की विजय होती है।

2. (क) वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे
झलमलकर हिम-बिन्दु झिले थे।
हलके झोंके हिले-मिले थे।
लहराता था पानी।

(ख) कोई निरपराध को मारे
तो क्यों अन्य न उसे उबारे,
रक्षक को भक्षक पर वारे,
न्याय दया का दानी।

3. (क) आखेटक के तेज बाण के प्रहार से हंस का एक पंख कट गया।

(ख) उस उद्यान में सुगन्धित हवा अपने मनमाने ढंग से बह रही थी।

(ग) आखेटक अचूक निशाना लगाने से मिली सफलता पर घमण्ड कर रहा था।

(घ) राजा ने दयायुक्त न्याय प्रदान किया।

4. (क) राहुल ने अपनी माँ यशोधरा से।
(ख) यशोधरा ने राहुल से।
(ग) राहुल ने यशोधरा से।
(घ) यशोधरा ने राहुल से।

भाषा अध्ययन

1.

दान	— दानी	ठान	— ठानी
डाल	— डाली	पान	— पानी
ज्ञान	— ज्ञानी	भार	— भारी
ध्यान	— ध्यानी	ताल	— ताली

2.

शब्द		विलोम शब्द
राजा	—	रानी
न्याय	—	अन्याय
मान	—	अपमान
जन्म	—	मरण
कोमल	—	कठोर।

3.

शब्द		समानार्थी शब्द
उपवन	—	उद्यान
पानी	—	जल
खग	—	पक्षी
शर	—	बाण।

4.

शब्द		तत्सम शब्द
वानी	—	वाणी
सूरज	—	सूर्य
घी	—	घृत
कान	—	कर्ण
हाथ	—	हस्त
जीभ	—	जिह्वा

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स), **2.** (ब), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. उपवन। **2.** झलमलकर।
3. हंस। **4.** करुणा।
5. चौंक।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

1. (घ), **2.** (क), **3.** (ख), **4.** (ग)।

22 महाराजा श्री अग्रसेन

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** महाराजा अग्रसेन जी का जन्म हरियाणा राज्य के हिसार जिले के प्रताप नगर में आज से 5125 वर्ष पूर्व आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को हुआ था।

(ख) अग्रवाल समाज के प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी थे। इस समाज के 18 गोत्र प्रचलित हैं।

(ग) महाराजा अग्रसेन ने एक परिपाटी बनाई थी कि यदि कोई व्यक्ति अग्रोहा राज्य में आकर बसता है तो प्रत्येक परिवार उसे एक ईंट और एक रुपया देगा।

(घ) महाराजा अग्रसेन ने अपने राज्य में सुव्यवस्था बनाए रखने हेतु 18 गणराज्य बनाए। प्रत्येक गणराज्य से एक-एक निर्वाचित प्रतिनिधि होता था। ये प्रतिनिधि शासन परिषद के सदस्य होते थे। इन्हीं के परामर्श से ही राज्य का शासन संचालित होता था।

(ङ) महाराजा श्री अग्रसेन के समय यज्ञों में पशुबलि की कुप्रथा प्रचलित थी। वे हिंसा को दुष्कर्म और घोर पाप मानते थे। वे कहते थे कि यदि हम किसी को जीवनदान नहीं दे सकते तो हमें किसी के प्राण लेने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने जीवदया के प्रति लोगों में आस्था जगाई और इस प्रकार उन्होंने पशुबलि प्रथा पर रोक लगा दी।

भाषा अध्ययन

1. देख-समझकर, अपना-अपना, अपनी-अपनी, सुख-शांतिपूर्वक, ऊँच-नीच, जाति-पाँति, एक-एक, बड़े-बड़े, जन-जन, सोने-चाँदी इत्यादि।

2. **पाठ पढ़ाना**—महाराजा अग्रसेन ने अपनी मानवता और दयाभावना से लोगों को नैतिकता का अच्छा पाठ पढ़ाया।

आमादा रहना—सिकन्दर की सेना सदैव लड़ने पर आमादा रहती थी।

नींव रखना—मेरठ क्रान्ति ने भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम की नींव रखी।

पेट पालना—महँगाई के इस दौर में गरीब के लिए पेट पालना मुश्किल है।

लकीर के फकीर—आज भी रूढ़िवादी लोग लकीर के फकीर बने हुए हैं।

कूपमण्डूक—जो लोग उन्नति के लिए संघर्ष नहीं करते उनकी स्थिति कूपमण्डूक जैसी ही है।

3. अव्यवस्थित, आदर्श, निर्वाचित, लक्ष्मी, अनुनय, वैश्य, दुष्कर्म, सहानुभूति।

योग्यता विस्तार

1. शूरवीरता, जीवदया, लोककल्याण की भावना, आदर्श व्यवहार आदि गुण महामानव कहलाने में सहायक हैं।

2. महाराजा अग्रसेन के जीवन से शिक्षा मिलती है कि हमें जाति-पाँति, ऊँच-नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। लोककल्याण की भावना से कार्य करना चाहिए। कभी किसी को सताने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (अ), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (अ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. लक्ष्मी। **2.** अवतारों।
3. समाजवाद। **4.** 18
5. अग्रोहा। **6.** बलि।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

1. (घ), **2.** (ग), **3.** (ख), **4.** (क)।

23 कर्तव्य पालन

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** युद्ध के मैदान में जब अर्जुन युद्ध करने से पीछे हट रहे थे तब श्रीकृष्ण ने उन्हें उपदेश दिया।

   (ख) जब अर्जुन कुरुक्षेत्र में युद्ध के मैदान में दोनों सेनाओं की ओर दृष्टि डालते हैं और वहाँ अपने ताऊ, दादा, मामा, भाई, पुत्र, मित्र, गुरु तथा सुहृदयों को देखते हैं तो वे अत्यन्त करुणा से भर उठते हैं।

   (ग) युद्ध के मैदान में अपने स्वजनों को सामने देखकर अर्जुन का मुख सूख गया। उसके पूरे शरीर में कम्पन्न और रोमांच होने लगा। उसके हाथ से गाण्डीव गिर गया। उसके मन में भ्रम उत्पन्न हो गया। उसमें युद्ध के मैदान में खड़े रहने तक की सामर्थ्य नहीं रही।

   (घ) अर्जुन अपने प्रियजनों को खोना नहीं चाहता था और न ही पृथ्वी के लिए युद्ध जैसा पाप करना चाहता था। इसलिए वह युद्ध नहीं करना चाहता था।

   (ङ) हम सुख और दु:ख दोनों स्थितियों में एक समान रहकर सुख-दु:ख के बंधन से मुक्त हो सकते हैं।

   (च) पाप-पुण्य के भ्रम से निकलने के लिए गुरुजी ने उपाय बताते हुए कहा कि अतीत में किये गये पापों का अँधेरा पुण्य के एक ही कार्य से दूर हो जाता है।

2. **(क)** श्रीकृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन! तू केवल कर्म करने का अधिकारी है, उसका फल प्राप्त करने का तू अधिकारी नहीं है। अत: मोह-माया को त्यागकर तू केवल अपना कर्तव्य कर, फल की इच्छा त्याग दे।

   (ख) जब हमें सुख मिलता है तो हम इस चिन्ता में पड़ जाते हैं कि कहीं यह सुख हमसे छिन न जाये और जब हम दु:ख में नहीं भी होते हैं तब भी इस चिन्ता में रहते हैं कि कहीं दु:ख न आ जाये। इसलिए सुख और दु:ख दोनों ही हमें बंधन में डालते हैं।

3. (क) स्वर्ग।
   (ख) श्रेष्ठ।
   (ग) प्रकाश।

भाषा अध्ययन

1. कुरुक्षेत्र
   पश्चात
   निश्चित
   सामर्थ्य

2.

शब्द		**विलोम शब्द**
अंधकार	–	प्रकाश
कर्म	–	अकर्म
अनिश्चय	–	निश्चय
लाभ	–	हानि
बंधन	–	मुक्त
ज्ञान	–	अज्ञान
पुण्य	–	पाप

3. बात-चीत, माता-पिता, हाँ-हाँ, कृष्ण-अर्जुन, मेज-कुर्सी, धर्म-अधर्म, निश्चय-अनिश्चय, सुख-दु:ख, कर्म-अकर्म, आमने-सामने, बंधु-बांधवों, पाप-पुण्य, जय-पराजय, लाभ-हानि, मोह-माया, क्या-क्या, अपने-अपने।

4.

पितृभक्त	–	पिता का भक्त
सूत्राधार	–	सूत्र का धारक
सत्यवादी	–	सत्य का वादक
युद्धारंभ	–	युद्ध का आरम्भ
भगवद्‌गीता	–	भगवान की गीता।

5. **तत्सम शब्द**– वृक्ष, इच्छा, कर्तव्य, अभिनय।
   तद्भव शब्द– नमस्ते, सच, माता, मुँह।

6. (i) तेरा यह आचरण किसी श्रेष्ठ पुरुष का आचरण नहीं है और न ही तेरी कीर्ति को बढ़ाने वाला है।

   (ii) लेकिन केशव! अपने ही बधु-बांधवों से युद्ध कर न तो मैं विजय चाहता हूँ, न राज्य और न ही सुख।

   (iii) इसलिए इस विषय में तू व्यर्थ ही शोक कर रहा है।

   (iv) मैं रणभूमि में किस प्रकार भीष्म पितामह और द्रोणाचार्य के विरुद्ध लड़ूँगा? ये दोनों ही मेरे पूजनीय हैं।

   (v) अपने ही गुरुजनों और बंधु-बांधवों का वध कर मेरा किसी भी प्रकार कल्याण नहीं होगा।

   (vi) युद्ध में अपने ही स्वजनों का वध कर मुझे क्या फल मिलेगा?

   (vii) हाँ बच्चो! सुख-दुख एवं हानि-लाभ को हमें एक समान इसलिए समझना चाहिए क्योंकि सुख और दु:ख दोनों ही हमें बंधन में डालते हैं।

   (viii) अतीत में किए गए पापों का अँधेरा पुण्य के एक ही कार्य से दूर हो जाता है।

   (ix) गुरुजी! जब फल की इच्छा ही नहीं होगी तो हम कर्म क्यों करेंगे?

(x) तब तो कोई भी व्यक्ति न तो वृक्ष लगाता है और न ही हमें उसके फल खाने को मिलते।

(xi) आज आपने हमें बहुत ही अच्छी बातें बताईं।

7. दयनीय, दर्शनीय, कल्पनीय, माननीय, उल्लेखनीय।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स), **2.** (अ), **3.** (अ), **4.** (ब), **5.** (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. कुरुक्षेत्र। **2.** अर्जुन।
3. पाप-पुण्य। **4.** मोह।
5. अतीत।

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

1. (ग), **2.** (क), **3.** (ग), **4.** (ख)।

24 बुन्देलखण्ड केसरी-महाराजा छत्रसाल

पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्न

बोध प्रश्न

1. **(क)** महाराजा छत्रसाल 'बुन्देलखण्ड केसरी' के नाम से विख्यात हैं।

(ख) महाराजा छत्रसाल का जन्म ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया, सत्रह सौ छह (4 मई सन् 1649 ई.) को टीकमगढ़ जिले के मोर पहाड़ी नामक स्थान पर हुआ था।

(ग) वीर चम्पतराय आजीवन बादशाह शाहजहाँ और औरंगजेब के धर्मान्ध शासन और बहुसंख्यक प्रजा के प्रति पक्षपातपूर्ण नीतियों का विरोध करते रहे।

(घ) बालक छत्रसाल में साहस, शौर्य, आत्मविश्वास, वीरता और निर्भयता के गुण विद्यमान थे।

(ङ) देवगढ़ युद्ध के दौरान छत्रसाल बुरी तरह घायल हो गए। उनका प्यारा घोड़ा रात-भर उनकी रक्षा करता रहा। दूसरे दिन छत्रसाल के भाई अंगद राय की पहचान करने के बाद ही घोड़े ने उन्हें छत्रसाल के शिविर में स्वस्थ होने पर छत्रसाल द्वारा अपने घोड़े को 'भले भाई' की उपाधि दी गई।

(च) छत्रपति शिवाजी ने छत्रसाल को स्वाधीनता का मंत्र और अपनी तलवार देकर बुन्देलखण्ड को स्वतंत्र कराने हेतु प्रेरित किया।

(छ) वीर छत्रसाल ने साधनों के अभाव और संगी-साथी की कमी को पूरा करने के लिए अपनी माता के आभूषणों को बेचकर पाँच घोड़ों और पच्चीस सैनिकों की एक छोटी-सी सेना तैयार की। उनकी इस सेना में सभी वर्गों के लोग थे।

(ज) स्वामी प्राणनाथ ने महाराजा छत्रसाल को आशीर्वाद देते हुए कहा—

छत्ता तेरे राज में, धक-धक धरती होय।
जित-जित घोड़ा मुख करे, तित-तित फत्तै होय।।

(झ) महाराजा छत्रसाल ने प्रजा की सुख-शान्ति और समृद्धि के लिए अनेक प्रयत्न किए। उन्होंने न्याय व्यवस्था को सरल बनाने के लिए पंचायती व्यवस्था की। वे अपराधियों को कठोर दण्ड देते थे जिससे उनके राज्य में अपराध होने कम हो गए। उनके राज्य में बच्चे, बूढ़े और महिलाएँ निर्भीकतापूर्वक कहीं भी आ-जा सकते थे।

2. (क) धुबेला
(ख) वीर प्रसूता
(ग) महाराजा छत्रसाल
(घ) स्वाधीनता
(ङ) छक्के छुड़ा

3. (क) (अ) भूषण का।
(ख) (ब) धुबेला में।
(ग) (अ) मोर पहाड़ी पर।

भाषा अध्ययन

1. **स्वाधीन**—उसका पति क्या मरा, वह बिल्कुल स्वाधीन हो गई।

सम्मान—अकबर अपने दरबारी कवियों को पूरा सम्मान देता था।

समृद्धि—छत्रसाल ने प्रजा की सुख और समृद्धि का पूरा ख्याल रखा।

शौर्य—बुन्देलखण्ड में आज भी रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और वीरता के गीत गाए जाते हैं।

ओज—प्रातःकाल प्राणायाम से ऊर्जा और ओज का संचार होता है।

निर्भय—सच्ची स्वतन्त्रता वही है जब सभी लोग निर्भय होकर रह सकें।

चुनौती—चन्द्रशेखर आजाद ने अंग्रेजों को पकड़ने की चुनौती दे दी थी।

उत्तरदायी—देशद्रोही ही देश की विफलता के उत्तरदायी हैं।

2. (i) प्रबुद्ध

(ii) प्रहार

(iii) प्रगति

3.

शब्द	**—**	**मूलशब्द**		**प्रत्यय**
वीरता	—	वीर	+	ता
अछूती	—	अछूत	+	ई
जागीरदार	—	जागीर	+	दार
मार्मिक	—	मर्म	+	इक
उत्तरदायी	—	उत्तर	+	दाई

4. ● महाराजा छत्रसाल का समाधिस्थल उनके शौर्य का स्मरण दिलाएगा।

● वे भारत के वीर सपूत हैं।

● शत्रु सैनिक जान बचाकर भाग गए।

5.

पूर्ण शब्द		**सन्धि विच्छेद**
अत्याचार	—	अति + आचार
स्वाधीन	—	स्व + आधीन
इच्छानुसार	—	इच्छा + अनुसार
आत्मोत्सर्ग	—	आत्म + उत्सर्ग
सहायतार्थ।	—	सहायता + अर्थ

6. **दो-दो हाथ करना** — मुकाबला करना।

वाक्य प्रयोग—शिवाजी ने मुगलों को दो-दो हाथ करने के लिए युद्धभूमि में ललकारा।

छक्के छुड़ाना— निरुत्साह करना।

वाक्य प्रयोग—युद्ध के मैदान में भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए।

नाकों चने चबाना — तंग करना।

वाक्य प्रयोग—सुभाषचन्द्र बोस ने अंग्रेजों को नाकों चने चबाने के लिए विवश कर दिया था।

लोहा लेना — युद्ध करना।

वाक्य प्रयोग—पृथ्वीराज चौहान ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए मुहम्मद गोरी से लोहा ले लिया।

7.

शब्द	**अर्थ**
प्रसूता	— जन्म देने वाली
धरोहर	— सम्पत्ति
अस्त्र	— फेंककर चलाने वाला हथियार
शस्त्र	— हाथ से पकड़कर चलाने वाला हथियार
क्षति	— हानि
ललकार	— चुनौती
आत्मोत्सर्ग	— स्वार्थ, त्याग, बलिदान
पारावार	— सीमा
स्मारक	— याद दिलाने वाला
सिपहसालार	— सेनापति
आधिपत्य	— अधिकार
प्रजावत्सल	— प्रजापालक
फत्तै (फतह)	— विजय
राजी	— सहमत
रैयत	— प्रजा
ताजी	— सजग, चुस्त-दुरुस्त
बार	— बाल
बाँकौं	— टेढ़ा

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ), **2.** (अ), **3.** (अ), **4.** (अ), **5.** (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. वीर चम्पत राय **2.** वीर छत्रसाल

3. देवगढ़ **4.** मातृभूमि

5. सन् 1731

सत्य/असत्य कथन

1. सत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

1. (घ), **2.** (क), **3.** (ख), **4.** (ग)।

विविध प्रश्नावली-3

1. **(क)** छोटा जादूगर के पिता जेल में थे। वे देश की आजादी की खातिर जेल में थे।

(ख) 'नरबदी' कहानी लोक मान्यताओं पर आधारित है, जो सामान्य जन-जीवन से जुड़ी होने के कारण अधिक प्रभावित करती है। भाषा सरल, सरस और भाव को समझने में सहायक है। प्रकृति का चित्रण अपने आप ही होता गया है। यह भारतीय संस्कृति के महान अंग आदिवासियों के जीवन की दिव्य झाँकी को दर्शाती है। पात्र

केवल दो ही हैं। वाक्य विन्यास छोटा है। यह कहानी घटना प्रधान होने से पाठकों को प्रभावित करती है।

(ग) राघोवा द्वारा आक्रमण किए जाने पर बिना विचलित हुए सुयोग्य और राजनीतिज्ञ अहिल्याबाई ने राघोबा को पत्र लिखकर बताया कि वह नारी सेना लेकर उनसे युद्ध करेंगी। आप की (राघोवा की) हार होती है, तो उन्हें एक नारी से पराजित होने का अपयश मिलेगा। यदि विजय प्राप्त की तो एक पुत्र के वियोग में व्यथित विधवा के राज्य को अकारण हड़प लेने की कालिख मुख पर लगेगी। इस प्रकार अहिल्याबाई ने अपनी सूझ-बूझ और राजनैतिक चतुराई से राघोवा का षड्यन्त्र विफल किया।

(घ) कवि देश को तन, मन, धन इसलिए समर्पित करना चाहता है, क्योंकि वह अपने ऊपर मातृभूमि के भारी ऋण को इतनी सारी चीजों के समर्पित कर देने पर भी उऋण नहीं हो सकता।

(ङ) ज्ञानदा टीकमगढ़ राज्यस्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में खेलने जा रही थी।

(च) खिलाड़ी-भावना से आशय यह है कि खेल में अनुशासन, धैर्य, सहिष्णुता, उदारता बनाए रखें और हार-जीत को समान भाव से लें। खेल तो मिल-जुलकर खेला जाता है।

(छ) ब्रिटिश सरकार ने रमण को 'सर' की उपाधि से 'रमण प्रभाव' की खोज के लिए सन् 1929 में विभूषित किया।

2. (क) निकम्मा
(ख) ऋण
(ग) प्राण
(घ) वीरगति
(ङ) उपलब्धि
(च) आततायी
(छ) 1921 (उन्नीस सौ इक्कीस)
(ज) रक्षक।

3. **(क)** मातृभूमि की सेवा में मेरा मन, तन तथा यह सारा जीवन समर्पित है।

(ख) मैं अर्थात सफलता उनके साथ ही सदैव खड़ी रहती है जो परिश्रम के लिए तत्पर हैं।

(ग) यदि कोई व्यक्ति किसी निर्दोष को मार रहा हो, तो क्या अन्य व्यक्ति को उसकी रक्षा नहीं करनी चाहिए अर्थात् अवश्य करनी चाहिए।

(घ) खेल में हर खिलाड़ी का मिला-जुला सहयोग होता है। अपनी टीम के हित में ही प्रत्येक खिलाड़ी को खेल खेलना होता है। व्यक्तिगत लाभ को त्यागकर टीम के बारे में सोचना होता है।

4. **(क) नाक में दम करना**—छुट्टी होने के कारण बच्चों ने नाक में दम कर रखा है।

नाकों चने चबाना—अच्छे विद्यालय में प्रवेश के लिए केशव को नाकों चने चबाने पड़े।

आँख दिखाना—अपने कार्य पर समय से न पहुँचने पर अधिकारी लोग आँखें दिखाते हैं।

पीठ दिखाना—भारतीय सैनिक युद्ध क्षेत्र में पीठ कभी नहीं दिखाते।

गाल फुलाना—यदि पापा बाजार से कुछ खाने को नहीं लाते तो बच्चे गाल फुलाए मिलते हैं।

(ख) जीविका—अनेक ग्रामीण युवक जीविका के लिए शहर जा बसे हैं।

प्रतिध्वनि—मन्दिर के घण्टों की ध्वनि पूरे मन्दिर परिसर में प्रतिध्वनित होती है।

समर्पण—कुख्यात आतंकवादी ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

दूरदर्शिता—खिलाड़ियों में दूरदर्शिता का गुण होना अनिवार्य है।

न्यायोचित— अपराधी को जेल भेजना न्यायोचित था।

5. (क) द्विगु।
(ख) वाला।
(ग) अभि।
(घ) हानि।

6. (क) स्तब्ध, प्रगल्भता, आततायियों, चुनौती, स्पर्धा, प्रतिबिम्ब, वैज्ञानिक।
(ख) अंक—गोद, संकेत।
कर— हाथ, किरण।
उत्तर— जबाव, दिशा।
पानी— जल, इज्जत।

7. **'ला' उपसर्ग वाले शब्द**— लाजवाब, लावारिश, लापरवाह, लापता।

'गैर' उपसर्ग वाले शब्द— गैरहाजिर, गैरकानूनी, गैरसरकारी, गैरवाजिब।

'सु' उपसर्ग वाले शब्द— सुकर्म, सुदूर, सुयश, सुवास।

'परा' उपसर्ग वाले शब्द— पराजय, पराक्रम,

पराभूत, पराभव।

8. **(क) पता—** (1) मोहन के घर का हमारे पास पता नहीं है। (2) मुझे पता नहीं क्यों हिन्दी पढ़ने में आनंद आता है।

डूबना— (1) गंगा नदी में नहाते समय दो लोग डूब गए। (2) प्राइवेट कम्पनियों में लोगों के पैसे डूब गए।

बढ़ना— (1) भारत में जनसंख्या बढ़ना लगातार जारी है। (2) अमरूद के पौधे दिनोंदिन बढ़ रहे हैं।

खराब—(1) पहले दिन ध्यानचन्द का हॉकी में खराब प्रदर्शन रहा। (2) इसका इंजन पूरी तरह खराब हो गया था।

(ख) दिन, दुखद, असफलता, वियोग, निरक्षर।

9. **कमल**— पंकज, अम्बुज, नीरज।

पर्वत— अचल, शैल, गिरि।

सूर्य— सूरज, भानु, दिनकर।

पृथ्वी — धरा, धरती, वसुन्धरा।

हवा— समीर, वायु, पवन।

पानी— नीर, तोय, वारि।

10.

हॉकी का गढ़	—	भोपाल
अहिल्याबाई	—	इन्दौर
माँ	—	राहुल

डॉ. चन्द्रशेखर वेंकट रमण— नोबेल पुरस्कार

11. (क) छोटा जादूगर ने लेखक से।

(ख) यशोधरा ने अपने पुत्र राहुल से।

(ग) राहुल ने अपनी माँ यशोधरा से।

(घ) राघोवा ने महारानी अहिल्याबाई से पत्र के माध्यम से।

(ङ) लेखक ने छोटा जादूगर से।

12. (क) राम (उद्देश्य)

अपनी पुस्तक पढ़ता है। (विधेय)

(ख) मोहन बॉलीबाल खेलने जाता है।

(ग) राधा गाना गायेगी।

(घ) वह कैसा लड़का है?

(ङ) माता-पिता की आज्ञा मानो।

(च) राजू कल दिल्ली गया!

(छ) तुम बहुत खुश थे।

13.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	सफेद	घोड़ा
(ख)	मीठा	जल
(ग)	सुन्दर	लड़की
(घ)	चार	संतरे
(ङ)	रमणीय	उद्यान

14.

दादी की घड़ी	—	कहानी
मध्यप्रदेश का वैभव	—	निबंध
राखी का मूल्य	—	एकांकी
गौरैया	—	कविता
मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान	—	वार्तालाप
लोकमाता अहिल्याबाई	—	जीवनी
अगर नाक न होती	—	व्यंग्य
ज्ञानदा की डायरी	—	डायरी

15. **(क)** अहिल्याबाई के जीवन की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. अहिल्याबाई ने यात्रियों की सुविधा हेतु धर्मशालाएँ, मन्दिर, कुएँ और बावड़ियों आदि का निर्माण करवाया।

2. उन्होंने प्रजा की सुख, शान्ति और समृद्धि का पूर्ण ख्याल रखा।

3. उन्होंने राजनीति, युद्धकला, घुड़सवारी में कौशल प्राप्त किया।

4. रणकौशल और बुद्धिमत्ता द्वारा दुश्मनों का सामना किया।

5. उन्होंने साहित्यकारों, ज्योतिषियों, कलाकारों, विद्वानों को पुरस्कृत किया।

(ख) दिनांक 9 मार्च, 20.....

मैं प्रात: 5:00 बजे उठ कर मुँह धोकर एक घण्टे व्यायाम करता हूँ, उसके बाद अध्ययन-कार्य में लग जाता हूँ। मैं एक छात्र हूँ। मैं विद्यालय चला जाता हूँ और मन लगाकर पढ़ता हूँ।

मैं प्रात: से सायं तक पढ़ाई से जुड़े कार्यों में लगा रहता हूँ। समय निकालकर खेल खेलता हूँ तथा मनोरंजन भी करता हूँ। योजनाबद्ध कार्य पूरा करने का प्रयास प्रतिदिन ही करता हूँ।

प्रात: से सायं तक किये गये कार्यों का ब्यौरा डायरी के रूप में तैयार करके रात को भोजन करके, अपने शयनकक्ष में चला जाता हूँ। मेरी प्रतिदिन की यही दिनचर्या है।

(ग) त्रिपुरा के एक गाँव मैं एक बूढ़ा आदमी रहता था। उसका एक ही बेटा था। मरने के पहले उसने अपने बेटे को बुलाया और बोला, "बेटे मैं अब कुछ ही देर का मेहमान हूँ। मरने

के पहले तुझे एक सलाह देना चाहता हूँ। इसका जीवनभर पालन करना। नहीं करोगे, तो किसी न किसी मुसीबत में फँस जाओगे।"

बूढ़े आदमी ने कहा, "ध्यान से सुनो बेटा और इस बात को गाँठ बाँध लो। कभी भी कोई गोपनीय बात किसी स्त्री को मत बताना। फिर चाहे वो तुम्हारी पत्नी ही क्यों न हो।"

"ऐसा क्यों पिताजी ?" बेटे ने पूछा।

"क्योंकि स्त्री के पेट में कोई बात नहीं पचती। मेरी बात पर अमल करना।" कहकर बूढ़े आदमी ने प्राण त्याग दिये।

कुछ दिनों तक तो बेटे ने पिता की बात मानी। पर समय गुजरने के साथ उसके दिमाग से पिता की सारी बातें उड़ गईं।

अब वह कई बातें अपनी पत्नी को बता दिया करता। उसकी पत्नी बातूनी किस्म की थी। सबसे खूब बातें किया करती थी और बातों-बातों में कई ऐसी बातें भी कह जाती, जो गोपनीय हों।

एक दिन उसने अपनी पत्नी से कहा, "सुनती हो, मैं सोच रहा हूँ कि इस झोंपड़ी को तोड़कर एक पक्का मकान बनवा लूँ। इस बार फसल भी अच्छी हुई है और मैंने कुछ पैसे जोड़ लिए हैं।"

सुनकर पत्नी खुश हो गई।

अगले दिन वह आदमी खेत से घर आ रहा था कि रास्ते में उसे पड़ोसी मिल गया। वह बोला, "अच्छा कर रहे हो, जो नया मकान बनवा रहे हो। मैं भी अगले साल नया मकान बनवाऊँगा।

उसकी बात सुनकर वह सोचने लगा कि नये मकान की बात इसे कैसे पता चली। उसे अपनी पत्नी पर ही शक हुआ और उस दिन उसे अपने पिता की सलाह याद आई कि कभी औरत को कोई गोपनीय बात मत बताना।

उसने सोचा– "क्यों न अपनी पत्नी की परीक्षा लूँ।"

उसके बाद वह घर न जाकर खेत की ओर चला गया। रास्ते में उसने एक आवारा कुत्ते को मारा और खेत में गड्ढा खोदकर उसे वहाँ गाड़ दिया। घर पहुँचकर वह अपनी पत्नी से बोला, "सुनती हो, एक राज की बात बतानी है तुम्हें। मगर तुम किसी से कहना मत। आज मेरे हाथों एक आदमी का खून हो गया। खेत में गड्ढा खोदकर मैंने उसे वहीं दफना दिया है।"

पत्नी ने पति से कह तो दिया कि वह ये बात अपने तक रखेगी। मगर उससे ऐसा हो न सका। शाम को वह पानी भरने पनघट पर गई, तो वहाँ आई औरतों से गपशप करते हुए उसके मुँह से ये बात निकल गई। उन औरतों में एक औरत का पति पुलिस वाला था। घर जाकर उसने ये बात अपने पति को बताई। उसने जाकर उस आदमी को खून के अपराध में गिरफ्तार कर लिया।

अगले दिन उसकी पेशी हुई। जब जज ने उससे इस खून के बारे में पूछा, तो उसने पिता की सलाह से लेकर अब तक की सारी बातें बताईं और बताया कि वह अपनी पत्नी की परीक्षा ले रहा था इसलिए एक आवारा कुत्ते को मारकर खेत में दफना दिया था।

कोतवाल को भेजकर उस जगह की खुदाई करवाई गई। वहाँ से एक मरा हुआ कुत्ता निकला। उस आदमी को छोड़ दिया गया। वह घर आ गया, लेकिन उस दिन के बाद उसने कभी कोई गोपनीय बात अपनी पत्नी को नहीं बताई।

(घ) मेरा प्रिय खेल या फुटबाल मैच

प्रस्तावना–खेल मनोरंजन के श्रेष्ठ साधन हैं । इनसे मन बहलता है, उत्साह बढ़ता है और शरीर स्वस्थ रहता है ।

खेल का सामान्य परिचय–हमारे देश में अनेक प्रकार के खेल खेले जाते हैं । इनमें से कुछ स्वदेशी हैं जैसे– गुल्ली-डण्डा, कबड्डी, रस्साकशी आदि और कुछ विदेशी जैसे-टेनिस, बैडमिण्टन, क्रिकेट, वॉलीबाल, फुटबाल आदि। मुझे इन खेलों में फुटबाल विशेष पसन्द है। फुटबाल गेंद का खेल है । इसे पैरों से खेला जाता है, इसलिए इसे फुटबाल कहते हैं ।

मैच–फुटबॉल का खेल प्रतियोगिता या मैच के रूप में भी खेला जाता है । इस बार हमें भी अपने विद्यालय में फुटबॉल खेलने का अवसर मिला। हमारा मैच राजकीय माध्यमिक विद्यालय की टीम के साथ होना था । दो दिन पूर्व ही क्रीड़ा-स्थल की साज-सँवार आरम्भ हो गयी थी । निश्चित समय से पूर्व हम लोग मैदान में पहुँच गए । टॉस फेंका गया और खिलाड़ी अपने-अपने स्थान पर जम गये।

मध्यावकाश–हम लोग बड़े उत्साह से खेल रहे

थे। हमारी टीम ने एक गोल कर दिया। इतने में ही 15 मिनट का मध्यावकाश हो गया। सभी खिलाड़ियों ने जलपान किया। इस समय अनेक दर्शकों ने हमारे खेल की प्रशंसा की।

परिणाम—मध्यावकाश के बाद खेल फिर आरम्भ हुआ। इस बार मैंने अपने दल को विशेष रूप से सतर्क कर दिया था । दोनों ही टीमें जमकर खेलीं। कड़े संघर्ष के बाद हम एक और गोल करने में सफल हो गए । विरोधी टीम कोई गोल नहीं कर सकी। अन्त में हमारी टीम की विजय हुई।

उपसंहार—इस मैच से मुझे यह अनुभव हुआ कि शिक्षा में खेलों का विशेष महत्व है । खेल से हमारा चहुँमुखी विकास होता है । खेलों से आपसी मेल-मिलाप को भी बल मिलता है।

(ङ) महाराजा अग्रसेन के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि लोककल्याण के लिए हमें सदैव तैयार रहना चाहिए। हमें धार्मिक कुप्रथाओं का विरोध करना चाहिए। हमें जीवों की रक्षा करनी चाहिए।

अभ्यास-प्रश्न पत्र कक्षा-7

1. **(क)** (अ) (3) मेवाड़
(ब) (2) होल्कर
(स) (1) साँची
(द) (3) भूषण
(इ) (4) व्यंग्य

(ख) (अ) चन्दन
(ब) मिसाइल मैन
(स) मक्खन
(द) उन्तीस अगस्त
(इ) रस
(ङ) देवताओं

2. **(अ)** नेहरूजी ने हिस्तुस्तान की इन सब जंजीरों को तोड़ देने के लिए कहा है जिनमें वह जकड़ा है जो आगे बढ़ने से रोकती हैं और देश में रहने वालों में फूट डालती हैं। जो लोगों को दबाए रहती हैं।

(ब) हमें जीवों के प्रति सहानुभूति और दया की भावना व्यक्त करनी चाहिए।

(स) नाक को इज्जत और सम्मान का प्रतीक माना गया है।

(द) नरबदी ने अपने पिता की प्यास के मारे व्याकुल होने के बारे में सोचकर उनकी प्यास बुझाने के लिए झरना बन गई। उसके मन में लोक कल्याण की भावना थी।

(इ) दृढ़ता, स्रोत, दृष्टि।

3. **(अ)** मध्यप्रदेश में भारत के सभी क्षेत्रों के लोग सद्भाव के साथ रहते हैं और अपने त्योहारों को उत्साह के साथ मनाते हैं। अतः सांस्कृतिक और ऐतिहासिक टृष्टि से सम्पन्न है। इसलिए इसे लघु भारत कहा गया है।

(ब) खेलों से हम सहिष्णुता, सहयोग, अनुशासन, मिलजुलकर काम करने तथा जीत का श्रेय केवल स्वयं न लेने का गुण सीखते हैं।

(स) जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की एक ही क्रम से अधिक आवृत्ति हो वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है। उदाहरण—

चारु चन्द्र की चंचल किरणें,
खेल रही थीं नभ-थल में।

इस पंक्ति में 'च' वर्ण की एक ही क्रम से अधिक, आवृत्ति हो रही है, अतः यहाँ अनुप्रास अलंकार है।

4. **(अ)** अनुराग, आशय, कठिनाई, भण्डार।

(ब) सुराग, सुहाग, सुवास, सुयश।

(स) (1) हे दयालु हम पर दया करो।
(2) विद्या प्राप्त करने के लिए-विद्यार्थी को सुख त्यागना पड़ता है।

(द) जगत् + ईश = व्यंजन संधि,
पुस्तक + आलय = स्वर सन्धि।

(क) अग्नि और रात्रि।

(ख) देश से निकाला = तत्पुरुष समास।
रसोई के लिए घर = तत्पुरुष समास।

(ग) राखियाँ, बहनें, सड़कें, कुत्ते।

(घ) **नानी याद आना**—मैहर में मन्दिर की सीढ़ियाँ चढ़ते-चढ़ते मुझे नानी याद आ गई।

5. मैकल पर्वत के घने जंगलों में आठ-दस झोंपड़ियों का एक गाँव था। इन्हीं में से एक झोंपड़ी में दुग्गन रहता था। उसकी एक पुत्री थी-नरबदी। उसकी पत्नी नरबदी को जन्म देकर

स्वर्ग सिधार गई थी। नरबदी अब बारह बरस की हो गई थी। दुग्गन अपनी बेटी को हमेशा अपने पास रखना चाहता था। अपनी झोंपड़ी की मरम्मत के लिए वह बाँस लेने के लिए मैकल पर्वत पर गया। उस दिन तेज धूप थी। नरबदी को तेज प्यास लगी। वह पानी की खोज में मैकल के वनों में भटक रहा था। उसने नरबदी को पेड़ों की घनी छाया में बैठा दिया। नरबदी ने वहीं बैठकर बड़े देवताओं से विनती करी कि वे उसके पिता की रक्षा करें। दुग्गन जब लौटकर झुरमुट के पास पहुँचा तो उसे नरबदी कहीं नज़र नहीं आई। उसने व्याकुल होकर नरबदी को पुकारा। तभी उसे झुरमुट के बीच कलकल करते हुए झरने की आवाज सुनाई दी। दुग्गन रोता हुआ अपनी पुत्री नरबदी को पुकार रहा था और नरबदी झरने के रूप में कल-कल कर बहती जा रही थी। नरबदी ने अपने पिता से प्यास बुझाने के लिए कहा और उसे बताया कि वह ही अब झरना बन चुकी है। अब इस जंगल में कोई प्यासा नहीं रहेगा। तब से वह अमरकण टक से नर्मदा बनकर बह रही है।

6. **संदर्भ**—प्रस्तुत गद्यांश 'अगर नाक न होती', पाठ से लिया गया है। इसके लेखक गोपालबाबू शर्मा हैं।

प्रसंग—'अगर नाक न होती' पाठ में लेखक ने नाक के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों का व्यंग्यपूर्ण वर्णन किया है।

अर्थ—शरीर के अंगों की अपेक्षा नाक अपना महत्व स्थान रखती है। हम चित्त होकर लेट जाते हैं तो नाक दूसरे अंगों-हाथ, पाँव, मुँह, कान, आँख आदि से सबसे ऊँची होती है। आँख के दुखने पर या आँख के फूट जाने पर काले रंग का ऐनक लगाकार काम चलाया जा सकता है और उसे ढका जा सकता है। कनटोपा से कटे-फटे कान को छिपाया जा सकता है, परन्तु दुर्भाग्य से, चोट लगने पर यदि नाक कट जाए तो आदमी का चेहरा बिलकुल सपाट दिखाई पड़ेगा जिस तरह बिना वृक्षों का रेगिस्तान होता है। सम्पूर्ण चेहरा एकदम चौरस दिखाई पड़ेगा, जैसे चक्की का पाट हो।

7. **सन्दर्भ**—प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'भाषा भारती' के पाठ 'और भी दूँ' से अवतरित हैं। इनके रचनाकार 'रामावतार त्यागी' हैं।

प्रसंग—कहता है कि सर्वस्व अर्पित करने के बाद भी व्यक्ति अपनी मातृभूमि के ऋण से मुक्त नहीं हो सकता है।

अर्थ—हे मातृभूमि, मुझ पर तेरा ऋण (कर्ज) बहुत है। मैं उस कर्ज के समक्ष बहुत निर्धन हूँ। फिर भी मैं यह निवेदन कर रहा हूँ कि जब भी अपने इस मस्तक को थाल में सजाकर लेकर आऊँ तो मेरी इस भेंट को स्वीकार करने की कृपा करना। भक्ति भरा मेरा गीत भी तुम्हें अर्पित है, मेरे प्राण भी अर्पित हैं। साथ ही मेरे रक्त की (खून की) एक-एक बूँद भी तुम्हारे लिए अर्पित है। अत: हे मेरे देश की धरती! इसके अलावा भी मैं कुछ और समर्पित करना चाहता हूँ।

8. (अ) उक्त गद्यांश का उचित शीर्षक 'नर्मदा की आत्मकथा' है।

(ब) पौराणिक ग्रंथों में नर्मदा परिक्रमा की महिमा गाई है।

(स) अहिल्याबाई होल्कर ने अपनी राजधानी बनाकर महेश्वर तीर्थ का महत्व बढ़ा दिया है।

9. सेवा में
श्रीमान् प्रधानाध्यापक महोदय
आदर्श विद्या मन्दिर
इन्दौर
विषय—अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र।
महोदय,
सादर निवेदन है कि प्रार्थी मलेरिया बुखार आ जाने के कारण दिनांक 20-2-20..... से 20-2-20..... तक विद्यालय आने में असमर्थ है। अत: श्रीमान् जी से अनुरोध है कि प्रार्थी को तीन दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
प्रार्थी आपका सदैव आभारी रहेगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
राकेश गर्ग
कक्षा 7 'अ'

10. **प्रदूषण**

प्रस्तावना—प्रकृति और प्राणी का गहरा सम्बन्ध है। मानव अपने विकास की प्रारम्भिक अवस्था में पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर था। प्रकृति और प्राणी, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों

के मध्य सन्तुलन रहना अनिवार्य है। यदि दोनों का सन्तुलन बिगड़ता है तो मानवता के अस्तित्व पर खतरा समझ लेना चाहिए। इस सन्तुलन के बिगड़ने को ही 'प्रदूषण' कहा जाता है । पेड़-पौधे कार्बन डाई-ऑक्साइड गैस ग्रहण करते हैं तथा ऑक्सीजन छोड़ते हैं, प्राणियों को ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। प्राणियों की ऐसी आवश्यकताओं को पूरा करने में 'प्रदूषण' बाधा उत्पन्न करता है ।

प्रदूषण से हानियाँ—बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रदूषण फैलता गया और आज यह स्थिति आ गई है जहाँ देखो वहीं प्रदूषण-ही-प्रदूषण दिखायी देता है। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है जहाँ प्रदूषण न फैला हो। प्रदूषण की अधिकता से आज जीव-जगत् को स्वच्छ वायु, भोजन व जल उपलब्ध नहीं है। इसके कारण अगणित कष्ट एवं बीमारियाँ बढ़ रही हैं।

प्रदूषण के प्रकार—मुख्य रूप से प्रदूषण के चार प्रकार हैं—(1) स्थल प्रदूषण, (2) वायु प्रदूषण, (3) जल प्रदूषण, (4) ध्वनि प्रदूषण। सड़कों, पार्कों, सार्वजनिक स्थलों पर गन्दगी फैलाने वाले लोग स्थल प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं। कारखानों, फैक्ट्रियों तथा वाहनों से निकलने वाला धुआँ तथा रासायनिक गैसें वायुमण्डल को दूषित करती हैं। जहाँ देखो वहीं गन्दगी का साम्राज्य-सा हो गया है। नगरों-महानगरों के कारखानों एवं फैक्ट्रियों का प्रदूषित पानी नदियों आदि में बहकर जाता है। जिससे जल प्रदूषण फैलता है। सड़कों पर, सार्वजनिक स्थलों पर, पूजाघरों पर लाउडस्पीकर इतने जोर-जोर से बजाए जाते हैं कि सुनने वाले परेशान हो उठते हैं। यह ध्वनि प्रदूषण है ।

प्रदूषण दूर करने के उपाय—प्रदूषण मानव-जीवन पर कलंक है। इसे दूर करना हम सबका कर्त्तव्य है। एक-दो व्यक्ति प्रदूषण से मुक्ति नहीं दिला सकते। इसे दूर करने के लिए प्रत्येक नागरिक को सचेत रहना पड़ेगा। विद्यार्थी भी इस दिशा में अच्छा कार्य कर सकते हैं। अपने पास-पड़ोस के लोगों को प्रदूषण का अर्थ समझाना चाहिए। प्रत्येक नागरिक अपना एवं अपने आस-पास का ध्यान रखे, तो प्रदूषण स्वयं ही दूर हो जाएगा। वृक्षारोपण पर और ध्यान दिया जाना चाहिए।

बढ़ते हुए प्रदूषण के प्रति सचेत रहकर प्रदूषण को दूर करना हमारा दायित्व है। प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह प्रदूषण के प्रति जागरूक हो। हमें अपने घर तथा आस-पास की सफाई रखनी चाहिए तथा सफाई का महत्त्व अन्य लोगों को भी समझाना चाहिए।

उपसंहार—मानव यदि प्रदूषण की समस्या के प्रति उदासीन बना रहा तो प्रकृति इसका निदान स्वयं खोज लेगी। प्रकृति के साथ किए जा रहे मानव के क्रूर व्यवहार का दण्ड उसे भुगतना ही पड़ेगा। इसलिए मानव को तुरन्त सचेत हो जाना चाहिए, ताकि प्रकृति का सन्तुलन न बिगड़ने पाए।